सिटी चीफ

वर्ष-15, अंक-148
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

इंदौर,सोमवार 02 सितम्बर 2024

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

आज का विचार

जीवन में सफलता का मार्ग आसान नहीं होता।

75वीं वर्षगांठ पर सुप्रीम कोर्ट को मिला नया ध्वज और प्रतीक चिन्ह, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने किया अनावरण, पेंडिंग केस पर जताई चिंता, कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने भी किया संबोधित

राष्ट्रपति बोलीं- बलात्कार जैसे मामले में देर से आए फैसला तो उठता है लोगों का भरोसा

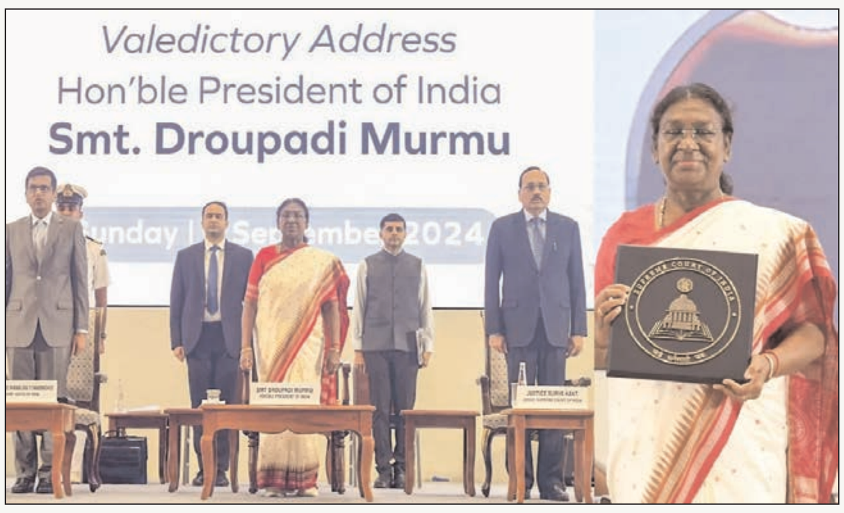

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट की 75वीं वर्षगांठ पर राष्टपति द्रौपदी मुर्मु ने सुप्रीम कोर्ट के नए ध्वज और प्रतीक चिन्ह का अनावरण रविवार को किया। दरअसल, पिछले दो दिन से नई दिल्ली के भारत मंडपम में सर्वोच्च न्यायालय के आह्वान पर राष्टीय जिला न्यायपालिका सम्मेलन चल रहा है। इसी सम्मेलन के समापन सत्र को संबोधित करने राषट्रपति द्रौपदी मुर्मु पहुंचीं। दो दिन के इस सम्मेलन में बुनियादी ढांचा, समग्र न्यायलय कक्ष, न्यायिक सुरक्षा, मुकदमा प्रबंधन और प्रशिक्षण जैसे पांच सत्रों पर चर्चा की गई। सुप्रीम कोर्ट के नए ध्वज का वीडियो साझा किया गया है। इस ध्वज में संस्कृत श्लोक 'यतो धर्मस्ततो जय' लिखा गया है, जिसका अर्थ है जहां धर्म है, वहां विजय होगी। ध्वज के सबसे ऊपर अशोक चक्र, बीच में सुप्रीम कोर्ट की बिल्डिंग और सबसे नीचे संविधान की किताब है। इस अवसर पर राष्टपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि पेंडिंग केस और बैकलॉग न्यायपालिका के लिए बड़ा चैलेंज हैं। जब रेप जैसे मामलों में कोर्ट का फैसला एक पीढ़ी गुजर जाने के बाद आता है, तो आम आदमी को लगता है कि न्याय की प्रक्रिया में कोई संवेदनशीलता नहीं बची है। इस इवेंट में चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ और केंद्रीय कानून एवं न्याय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल भी शामिल हुए।कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने कहा कि भारत को दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र और लोकतंत्र की जननी कहा जाता है। सुप्रीम कोर्ट की 75वीं वर्षगांठ हमारे लिए गर्व का विषय है। आज, न्यायपालिका में विभिन्न स्तरों पर काम करने वाले सभी महान लोगों का एक ही लक्ष्य है- विकसित भारत का निर्माण। उन्होंने आगे कहा, एक अच्छी न्याय प्रणाली का होना जरूरी है, ताकि नागरिक अपनी पूरी क्षमता से राष्ट निर्माण में योगदान दे सकें। इस दो दिवसीय राष्टीय सम्मेलन में जिला न्यायपालिका के सभी पहलुओं पर विस्तार से चर्चा की गई है। उन्होंने कहा, मुझे भरोसा है कि सम्मेलन में दिए गए सुझावों को अपनाने से न्यायिक बिरादरी को मदद मिलेगी और नागरिकों के लिए न्याय की प्रक्रिया को सरल बनाने में मदद मिलेगी। यह हमारी जिम्मेदारी है कि हम तारीख पर तारीख की पुरानी संस्कृति को बदलने का संकल्प लें।

कड़ाई से एनालिसिस करने की जरूरत

कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने कहा कि केस लंबे समय तक पेंडिंग क्यों पड़े रहते हैं, इसका कड़ाई से एनालिसिस करने किया जाना चाहिए। इसके अलावा अगर एक जैसे मामलों की एक साथ सुनवाई की जाएगी तो इससे कोर्ट में पेंडिंग मामलों को कम करने में मदद मिलेगी। मेघवाल ने कुछ हाईकोर्ट की तारीफ की, जो ऐसे सिस्टम पर काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि उनके मंत्रालय ने 'सभी के लिए न्याय' का टारगेट रखा है। प्रोग्राम का मकसद लोगों को घर बैठे ऐसा न्याय दिलाना है जो ज्यादा खर्चीला न हो, तेज हो और तकनीक-सक्षम हो। हमें ऐसा इकोसिस्टम तैयार करना होगा जहां कतार में खड़े आखिरी व्यक्ति को भी लगे कि उसे न्याय मिल रहा है।

सीजेआई ने बताई लंबित मामलों की संख्या को कम करने की योजना

प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) डीवाई चंद्रचूड़ ने भी जिला न्यायपालिका के राष्टीय सम्मेलन को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि लंबित मामलों की संख्या को कम करने के लिए एक ठोस योजना बनाई गई है। उन्होंने बताया कि इस योजना के तीन मुख्य चरण हैं। जिसमें पहले चरण में जिला स्तर पर मामलों के प्रबंधन के लिए समितियों का गठन किया जाएगा। ये समितियां लंबित मामलों और रिकॉर्ड की स्थिति की जांच करेंगी। दूसरे चरण में, उन मामलों का निपटारा किया जाएगा जो 10 से 30 वर्षों से अधिक समय से लंबित हैं। तीसरे चरण में, जनवरी 2025 से जून 2025 तक दस वर्षों से अधिक समय से लंबित मामलों की सुनवाई की जाएगी। इसके लिए विभिन्न तकनीकी और डेटा प्रबंधन प्रणालियों की जरूरत होगी। लंबित मामलों से निपटने के अन्य उपायों में विवादों का समाधान करने की पहल भी शामिल है। हाल ही में, सुप्रीम कोर्ट ने पहली बार राष्टीय लोक अदालत आयोजित की, जिसमें 1,000 से ज्यादा मामलों का समाधान किया गया।

ऐसे होगी न्याय तक सभी की पहुंच आसान

प्रधान न्यायाधीश ने यह भी कहा कि हमें यह स्थिति बदलनी होगी कि हमारे जिला न्यायालयों में केवल 6.7 फीसदी इन्फ्रास्ट्रक्चर ही महिलाओं के अनुकूल है। आज के समय में जब कुछ राज्यों में भर्ती में 60 फीसदी से 70 फीसदी महिलाएं हैं, तो क्या यह स्वीकार्य है? हमारी प्राथमिकता है कि न्यायालयों तक पहुंच को बढ़ाया जाए। इसके लिए हम इन्फ्रास्ट्रक्चर का ऑडिट करेंगे, कोर्ट में मेडिकल सुविधाएं आदि स्थापित करेंगे और ई-सेवा केंद्र व वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग उपकरणों का उपयोग बढ़ाएंगे। इन प्रयासों का मकसद न्याय तक सभी की पहुंच को आसान बनाना है। उन्होंने कहा, इसके साथ ही हमें यह भी सुनिश्चित करना होगा कि हमारे न्यायालय समाज के सभी लोगों के लिए सुरक्षित और अनुकूल हों, खासतौर पर महिलाओं, दिव्यांगों, अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों और अन्य संवेदनशील समूहों के लिए।

सुप्रीम कोर्ट में 83 हजार केस पेंडिंग, अब तक सबसे ज्यादा

सुप्रीम कोर्ट में जजों की संख्या बढ़ने के बाद भी मुकदमों का अंबार कम होने का नाम नहीं ले रहा है। पिछले 10 सालों में केसों की संख्या में 8 गुना बढ़ोतरी हुई है और सिर्फ दो बार ही कुछ कमी देखने को मिली है। सुप्रीम कोर्ट में अब तक के सबसे ज्यादा 83,000 केस लंबित हैं। टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक साल 2009 में सुप्रीम कोर्ट में जजों की संख्या 26 से बढ़ाकर 31 कर दी गई थी। इसके बावजूद लंबित मुकदमों की संख्या में लगातार बढ़ोतरी होती रही। 2013 में यह संख्या 50,000 से बढ़कर 66,000 हो गई। 2014 में तत्कालीन सीजेआई पी. सदाशिवम और आर.एम. लोढ़ा के कार्यकाल के दौरान यह संख्या घटकर 63,000 रह गई। इसके बाद 2015 में सीजेआई एच.एल. दत्तू के कार्यकाल में यह संख्या घटकर 59,000 रह गई। इसके बाद सीजेआई टी.एस. ठाकुर के कार्यकाल के दौरान यह संख्या फिर से बढ़कर 63,000 हो गई। जस्टिस जे.एस. खेहर ने केस मैनेजमेंट सिस्टम में सूचना टेक्नलॉजी का इस्तेमाल करके सबसे पहले पेपरलेस कोर्ट का प्रस्ताव रखा था। उनके कार्यकाल में लंबित मामलों की संख्या में काफी कमी आई और यह घटकर 56,000 हो गई। 2018 में जस्टिस दीपक मिश्रा के सीजेआई रहते हुए लंबित मामलों की संख्या बढ़कर 57,000 हो गई। सीजेआई के तौर पर जस्टिस रंजन गोगोई सरकार को यह समझाने में कामयाब रहे कि सुप्रीम कोर्ट जजों की संख्या बढ़ाई जाए।

जेपी नड्डा का दावा- मोदी के सत्ता में आने से बदली राजनीतिक संस्कृति

पलक्कड़ (केरल)। राष्टीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की तीन-दिवसीय अखिल भारतीय समन्वय बैठक के दूसरे दिन रविवार को बीजेपी अध्यक्ष जेपी नड्डा ने बड़ा बयान दिया है। जेपी नड्डा ने कहा कि हमारी सरकार जनहितैषी और पारदर्शी है। हम सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास के अपने मंत्र को ध्यान में रखते हुए समावेशी विकास में विश्वास करते हैं। भ्रष्टाचार के मामले में हमारी नीतियां सख्त हैं। विपक्ष पर वार करते हुए उन्होंने कहा कि 2014 से यह केवल सरकार या पार्टी का परिवर्तन नहीं है, बल्कि यह राजनीति की संस्कृति में परिवर्तन है। पहले यदि आप सत्ता के शीर्ष पर बैठे लोगों को देखें, तो उन्होंने जातिवाद, क्षेत्रवाद और वंशवाद को बढ़ावा दिया। वोट बैंक की राजनीति उनकी नीतियों को प्रभावित करती रही। लेकिन पीएम मोदी के सत्ता में आने के बाद राजनीतिक संस्कृति पूरी तरह से बदल गई है। सुधार और विकास अब राजनीति का आधार बन गए हैं। बीजेपी अध्यक्ष ने कहा कि केरल सामाजिक नेताओं की भूमि है और सामाजिक सुधारों के लिए जाना जाता है। केरल के लोग बहुत मेहनती हैं और मैं उनके समर्पण के लिए उन्हें सलाम करता हूं। मुझे आपको यह बताते हुए खुशी हो रही है कि 2014 के लोकसभा चुनाव में पलक्कड़ का वोट शेयर 15त्न था, 2019 में यह 21.3त्न था और 2024 में यह 24.3त्न था। हमें उम्मीद है कि आने वाले समय में हमारे लिए आपका समर्थन और बढ़ेगा।

बम से उड़ाने की धमकी के बाद जबलपुर-हैदराबाद फ्लाइट की इमरजेंसी लैंडिग

जबलपुर। जबलपुर से हैदराबाद के लिए उड़ी फ्लाइट की नागपुर में इमरजेंसी लैंडिग कराई गई। दरअसल, फ्लाइट के वॉशरूम में विस्फोट संबंधी संक्षिप्त मैसेज लिखा हुआ था। इसके बाद फ्लाइट को नागपुर में उतारा गया। यहां विमान की जांच पड़ताल की गई। जिसमें कुछ नहीं मिला। जिसके बाद शाम को फ्लाइट हैदराबाद के लिए रवाना कर दी गई। दरअसल, जबलपुर के डुमना एयरपोर्ट से रविवार सुबह 8 बजे इंडिगो की फ्लाइट 6 ए-7308 ने हैदराबाद के लिए उड़ान भरी थी। इसे 9.40 पर हैदराबाद में उतरना था। लेकिन 9.10 पर नागपुर एयरपोर्ट पर इसे लैंड कराया गया। नागपुर में ये फ्लाइट करीब सवा 6 घंटे तक रुकी रही। इस दौरान सुरक्षा एजेंसियों के अधिकारियों ने फ्लाइट में मौजूद 69 पैसेंजर और 4 क्रू मेंबर से पूछताछ की। फ्लाइट के भीतर रखे सामान की भी जांच की। इस दौरान बम स्क्वायड और डॉग स्क्वायड के साथ सीआईएसएफ के साथ महाराष्ट पुलिस भी मौजूद रही। जबलपुर के डुमना एयरपोर्ट के डायरेक्टर नीरज कुमार के मुताबिक नागपुर एयरपोर्ट अथॉरिटी के अधिकारियों का कहना है कि बम की खबर पूरी तरह से अफवाह थी। हालांकि, जांच जारी है, किसने और क्यों इस तरह की प्लेन में अफवाह फैलाई थी, पता कर रहे हैं। नागपुर में फ्लाइट की अच्छे से जांच पड़ताल की गई। उसमें कुछ भी नहीं मिला। कोई भी संदिग्ध चीज नहीं मिली। जिसके बाद फ्लाइट को दोपहर 3.30 बजे हैदराबाद के लिए रवाना कर दिया गया। फ्लाइट शाम करीब 5.30 बजे हैदराबाद पहुंची। इंडिगो की मैनेजर हिना खान के मुताबिक विमान में 69 यात्री और 4 क्रू मेंबर सवार थे। जबलपुर से उड़ान भरने के कुछ समय बाद क्रू में शामिल ज्योतिस्मिता सैकिया वॉशरूम गईं। यहां टॉयलेट रोल के टुकड़े पर नीली स्याही से लिखा मैसेज दिखा। इसमें लिखा था- 'विस्फोट ञ्च 9.00 पूर्वाह्न।' सैकिया ने पायलट को सूचना दी। जिन्होंने एरिया ट्रैफिक कंट्रोल, नागपुर को सूचना दी। फ्लाइट को नागपुर डायवर्ट कर दिया गया। एमआईएल सुरक्षा और टर्मिनल विभाग द्वारा बम खतरा आकलन समिति को जानकारी दी गई।

अगस्त में सरकार के खजाने में जीएसटी से आए 1.75 लाख करोड़ रुपए

नई दिल्ली। जीएसटी कलेक्शन में इजाफा देखने को मिला है। सरकार की तरफ से रविवार को आंकड़ा जारी किया गया है। सरकार ने दी जानकारी में बताया कि अगस्त 2024 के दौरान कुल जीएसटी कलेक्शन 1.75 लाख करोड़ रुपए रहा है। सालाना आधार पर जीएसटी कलेक्शन में 10 प्रतिशत का इजाफा हुआ है। बता दें, पिछले साल अगस्त में माल और सेवा कर (जीएसटी) राजस्व 1.59 लाख करोड़ रुपएथा, जबकि इस साल जुलाई में यह 1.82 लाख करोड़ रुपए था। अगस्त 2024 में डोमेस्टिक रेवन्यू 9.2 प्रतिशत बढ़कर लगभग 1.25 लाख करोड़ रुपए हो गया। वस्तुओं के आयात से नेट जीसएटी रेवन्यू 12.1 प्रतिशत बढ़कर 49,976 करोड़ रुपए रहा। समीक्षाधीन महीने में 24,460 करोड़ रुपये के रिफंड जारी किए गए, जो सालाना आधार पर 38 प्रतिशत अधिक है। रिफंड जारी करने के बाद नेट जीएसटी रेवन्यू इस महीने में 6.5 प्रतिशत बढ़कर 1.5 लाख करोड़ रुपए रहा। इस साल अब तक जीएसटी कलेक्शन 9.13 लाख करोड़ रुपए रहा है। 2023 में इस अवधि में जीएसटी कलेक्शन 8.29 लाख करोड़ रुपए रहा था। 2023 की अपेक्षा इस बार जीएसटी कलेक्शन 10.1 प्रतिशत बढ़ा है। रिपोर्ट के अनुसार 9 सितंबर को जीएसटी काउंसिल की मीटिंग हो सकती है

एक साल पहले खुद से की शादी और अब ले लिया तलाक

लंदन। पश्चिमी संस्कृति में खुले विचारों के चक्कर में कई बार अजीब मामले सामने आ जाते हैं। एक महिला ने पिछले साल खुद से ही शादी कर ली थी जिसे लेकर लोग हैरान रह गए। अब खबर आई है कि उसने तलाक ले लिया है। जी हां, इस सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर और मॉडल का नाम सुलेन कैरी है। 36 साल की इस महिला के इंस्टाग्राम पर 4 लाख से अधिक फॉलोअर्स हैं। उन्होंने विचित्र से उत्सव (सोलोगैमी) का जश्न मनाते हुए इंटरनेट यूजर्स का ध्यान खींचा। वे मूल रूप से ब्राजील की रहने वाली हैं और इन दिनों लंदन में रह रही हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, सुलेन कैरी ने अपनी खुद से की गई शादी को बनाए रखने की कोशिश की। इसके लिए उन्होंने कपल्स थेरेपी भी ली थी। मगर, यह सब काम नहीं आया और उन्होंने अपने तलाक का ऐलान कर दिया।

यह कहा सुलेन कैरी ने सुलेन ने कहा कि मैंने खुद से शादी तो कर ली लेकिन अभी भी अकेलापन महसूस करती हूं। अब उन्होंने मोनोगैमी आजमाने का फैसला लिया है। हालांकि, वे यह भी कहती हैं कि मुझे अपने अकेलेपन का पछतावा नहीं है। उन्होंने कहा कि मैंने यह महसूस किया कि जीवन में आत्मविश्लेषण और चिंतन जरूरी है। सुलेन कैरी ने अब मोनोगैमी आजमाने का फैसला लिया है। दरअसल मोनोगैमी का मतलब परंपरागत विवाह प्रथा है। इसमें पति-पत्नी जीवनभर साथ रहते हैं। वैसे मानव समाज एक विवाह और बहु विवाह के ढांचे में बटा हुआ है, लेकिन मोनोगैमी का मतलब एक विवाह प्रथा है। यदि धार्मिक दृष्टिकोण से देखें तो हिन्दुओं, सिखों आदि में एक विवाह परंपरा है और वहीं इस्लाम में बहु विवाह परंपरा को देखा जा सकता है।

खुद के प्रति कमिटमेंट्स में भी चुनौतियां सुलेन कैरी ने बताया कि किसी चक्र को कब समाप्त करना है, इसे समझना बहुत आवश्यक है। खुद के प्रति कमिटमेंट्स में भी चुनौतियां आती हैं। आपको हर समय खुद के लिए सही होने की अपेक्षा रहती है। सोलोगैमी के दौरान मैंने यह महसूस किया कि मैं खुद पर बहुत दबाव डाल रही थी। ऐसा करने से काफी थकान हो जाती है। उन्होंने कहा कि खुद के साथ विवाह में भी अपनी खामियों को स्वीकार करना चाहिए। खुद के प्रति ईमानदार रहना जरूरी है। अगर आप खुद को धोखा देंगे तो मुश्किलें बढ़ती जाएंगी।

महिलाओं में क्यों बढ़ रहा सोलोगैमी का चलन दुनिया में इस समय महिलाओं में सोलोगैमी का चलन बढ़ता जा रहा है। अब सवाल उठता है कि ज्यादातर महिलाएं ही सोलोगैमी की तरफ क्यों बढ़ रही हैं या खुद से शादी क्यों कर रही हैं। असल में यह कदम उठाने के एक नहीं बल्कि कई कारण हो सकते हैं।

कई महिलाएं सोलोगैमी इस चलते अपनाती हैं क्योंकि वे मानती हैं कि वे खुद के साथ जितनी खुशी महसूस करती हैं कभी किसी पार्टनर के साथ नहीं कर पाएंगी। ऐसी भी कई लड़कियां हैं जो किसी लड़के से शादी करने की इच्छा नहीं रखतीं, वे भी सोलोगैमी को अपना रही हैं। इसमें कोई दोराय नहीं कि महिलाएं सालों से चली आ रही मान्यताओं पर टिके रहने की बजाय आगे बढ़ रही हैं, सोलोगैमी उनके लिए किसी से शादी करके ही सेटल हुआ जा सकता है जैसी बातों से पार पाने का रास्ता हो सकता है।

News सिटी चीफ
सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार
Fastest Growing Media Network
अवश्यकता है
इंदौर भोपाल जिले के सभी तहसीलो में दैनिक अख़बार और डिजिटल रिपोर्टर की।
डिजिटल और प्रिंट के लिये मार्केटिंग टीम (मेल/फीमेल) एवं हेल्परो की अवश्यकता हैं
डिजिटल मीडिया का क्रान्तिकारी कदम
डिजिटल भारत में खबरों के लिए देखे सिटी चीफ न्यूज़
रिपोर्टर बनने के लिए सम्पर्क करे
9755996590

अब अस्थमा का इंजेक्शन निकला घटिया, अब प्रदेशभर में बैन

इंदौर। जीवन रक्षक दवाओ के मामले में एक इंजेक्शन पर बैन लगाया गया है। इस इंजेक्शन का नाम एमिनोफिलिन है, जो अस्थमा के इलाज में काम आता है। इसके कुछ लॉट अमानक पाए गए हैं। इस कारण उनके उपयोग पर बैन लगाया गया है। इंदौर सहित यह दवा प्रदेशभर में प्रतिबंधित की गई है। इस इंजेक्शन का उपयोग अस्थमा के इलाज के लिए होता है। इसके लगाने से फेफड़ों को राहत मिलती है। इस इंजेक्शन के सैंपल भोपाल लैब में टेस्ट कराए गए थे। जांच में उनकी क्वालिटी घटिया निकली। इसके बाद मध्यप्रदेश पब्लिक हेल्थ सर्विसेज कार्पोरेशन लि.ने प्रदेश के कॉलेजों के डीन,अधीक्षक,सीएमएचओ, सिविल सर्जन को पत्र लिखकर इस इंजेक्शन

का उपयोन न करने को कहा गया। कंपनी को भी अमानक पाए गए बैच के लॉट की सप्लाई रोकने के लिए कहा गया और यह भी निर्देश दिए गए है कि जहां यह इंजेक्शन भेजे गए है, उसे वापस बुलवाया जाए। इंदौर के दवा बाजार में भी इस इंजेक्शन की सप्लाई वितरकों ने रोक दी। सेंपल फेल होने का यह दूसरा मामला है। इससे पहले ओआरएस पाउडर और एक अन्य दवा के सेंपल फेल हो चुके है। इसके अलावा इंदौर के एमजीएम मेडिकल कॉलेज ने 9 इंजेक्शनों को लेकर शिकायत की थी। इसके बाद उन इंजेक्शनों पर बैन लगाया गया।

यह बताया गया शिकायत में- जानकारी के अनुसार यह इंजेक्शन मार्टिन एंड ब्राउन बायो साइंस कंपनी द्वारा सप्लाई किया गया था। वहीं शिकायत में बताया गया है कि इंजेक्शन के बैच संख्या एमए23एफ66, जिसका निर्माण जून 2023 में हुआ था और एक्सपायरी मई 2025 थी, की गुणवत्ता निर्धारित मानकों के अनुरूप नहीं पाई गई है। **तुरंत बंद किया जाए इस्तेमाल-** भोपाल स्थित प्रयोगशाला में किए गए परीक्षण के बाद इंजेक्शन की गुणवत्ता को असंतोषजनक घोषित किया गया। जानकारी के अनुसार जांच में यह सामने आया कि यह इंजेक्शन अस्थमा के मरीजों के लिए सुरक्षित और प्रभावी नहीं था। वहीं इस निष्कर्ष के आधार पर एमपीपीएचएससीएल ने प्रदेश के सभी डीन, सुपरिंटेंडेंट, सीएमएचओ, और सिविल सर्जन को इस इंजेक्शन का उपयोग तत्काल रोकने का आदेश जारी किया है। आदेश में यह भी स्पष्ट किया गया कि यदि किसी अस्पताल में इस बैच के इंजेक्शन उपलब्ध हैं, तो उनका उपयोग तुरंत बंद कर दिया जाए।

एफआईआर दर्ज कराने की मांग- इस घटना के बाद प्रदेश के दबा बाजार में भी हलचल मच गई है। मामले में मध्यप्रदेश शासकीय स्वशासी चिकित्सक महासंघ ने मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर संबंधित कंपनियों के कर्ताधर्ताओं पर एफआईआर दर्ज कराने के साथ उच्च स्तरीय मांग की है। संघ के मुख्य संयोजक डॉ. राकेश मालवीय ने बताया कि जीवन रक्षक दवाओं का अमानक पाया जाना मरीजों की जान के साथ खिलवाड़ है। इंदौर केमिस्ट एसोसिएशन के अध्यक्ष विनय बाकलीवाल का कहना है कि लगातार सैंपल फेल होना चिंता की बात है। इसे लेकर दवा बाजार में एसोसिएशन की बैठक बुलाई गई है। इसमें नोटिफिकेश का अध्ययन कर एसोसिएशन अपना रुख साफ करेगा।

एमवायएच के सुरक्षा इंतजाम पर सवाल

महिला डॉक्टर के ड्यूटी रूम का ताला तोड़ने की कोशिश

इंदौर। एमवाय अस्पताल में डॉक्टर सुरक्षित नहीं है। शनिवार रात हुई घटना ने अस्पताल के सुरक्षा इंतजामों की पोल खोल दी है। यहां एक महिला डॉक्टर रूम का ताला तोड़ने की कोशिश की गई। इसे लेकर डॉक्टरों ने सीएमओ को शिकायत की है। बताया गया कि वहां कॉरिडोर में सिक्युरिटी गार्ड भी नहीं था। जबकि कॉरिडोर के दूसरे हिस्से में एक गार्ड सो रहा था। घटना रात 12.30 बजे पांचवी मंजिल के महिला डॉक्टर रूम के बाहर हुई। जूनियर डॉक्टर्स एसोसिएशन के वाइस प्रेसीडेंट आकाश वर्मा का कहना है कि महिला डॉक्टर अंदर आराम करने गई थी। तभी एक मरीज के परिवार के शराबी युवक ने उसे तोड़ने का प्रयास किया। वहां कोई गार्ड भी नहीं था और न ही वहां सीसीटीवी कैमरा लगा है। इसकी सूचना रेजीडेंट डॉक्टर्स को उनके वाट्सएप ग्रुप से लगी। इसे लेकर सीएमओ को

शिकायत की गई है। सुपरिटैंडेंट डॉ. अशोक यादव के मुताबिक मामला मेरे संज्ञान में आया है। किसी मरीज के परिजन ने ताला तोड़ने का प्रयास नहीं किया बल्कि उसे खटखटाया था। पूरे मामले की जानकारी निकाली जा रही है। वहां सिक्युरिटी गार्ड मौजूद था। गौरतलब है कि कोलकोता रेप-मर्डर केस के बाद सुप्रीम कोर्ट और शासन ने अस्पतालों में महिला सुरक्षा का सख्ती से पालन करने के निर्देश दिए हैं। इसके साथ ही नौ बिंदुओं की गाइड लाइन जारी की है। शुक्रवार को कलेक्टर आशीष सिंह ने भी इसे लेकर सरकारी और प्राइवेट अस्पताल संचालकों की बैठक ली थी। इससे सीसीटीवी कैमरों पर खास जोर दिया था। बैठक में एमवाय अस्पताल की सुरक्षा का मामला भी उठा था कि अस्पताल कवर्ड नहीं है। अस्पताल के 6 गेट हैं। हर गेट पर सुरक्षा में कसावट जरूरी है।

सिंहस्थ-2028 से पहले नए तरीके से विकसित होंगे इंदौर के मंदिर

इंदौर। सिंहस्थ-2028 में जितने श्रद्धालु उज्जैन जाएंगे, उसके 60 से 70 प्रतिशत इंदौर होकर जाएंगे। इंदौर एयरपोर्ट और इंदौर रेलवे स्टेशन इसमें अहम होंगे। उज्जैन के साथ ओंकारेश्वर, महेश्वर, मांडू भी लोग जाएंगे। ऐसे में इंदौर के स्पॉट आकर्षक और सुंदर नजर आए, इसके लिए प्रशासन ने प्लानिंग शुरू कर दी है। शहर की दोनों नदियों के रिवर फ्रंट, छत्रियां, शहर के प्रमुख तालाब, मंदिर और स्ट्रीट फूड को नए सिरे से डिजाइन करवाया जा रहा है। इसके लिए राष्टीय स्तर पर आर्किटेक्ट, प्लानर, डिजाइनर, इंजीनियर्स और पहली बार क्रिएटिव युवाओं से भी प्लानिंग मांगी गई है। प्रशासन यह काम स्मार्ट सिटी कंपनी के माध्यम से करवा रहा है। इसके लिए बुलाए गए प्रस्तावों में प्रतियोगिता तो रखी ही गई है, लेकिन इसका मूल मकसद अलग-अलग प्लान और डिजाइन बुलवाना है। कलेक्टर आशीष सिंह ने बताया कि हम चाहते हैं कि नए लोगों, प्लानर के आकर्षक आइडिया, प्लान और डिजाइन

मिले, जिससे नया स्वरूप दिया जा सके। स्मार्ट सिटी सीईओ दिव्यांक सिंह ने बताया कि वाटर फ्रंट डेवलपमेंट में कान्ह, सरस्वती का रिवर फ्रंट (इसमें एबीडी एरिया को शामिल नहीं किया गया है), बिलावली, सिरपुर, पीपल्यापाला, पीपल्याहाना तालाब, सुखनिवास, खजराना, राजकुमार मिल को शामिल किया है। अर्बन टेक्नोलॉजी में कल्चरल मैपिंग, टूरिस्ट सर्किट डेवलपमेंट, सिटीजन फीडबैक प्लेटफॉर्म भी प्लानर से बनवाया जा रहा है। ग्रीन स्पेस और बायोडायवर्सिटी एरिया का विकास, कृष्णपुरा छत्री, खजराना गणेश मंदिर, गोपाल मंदिर, बड़ा गणपति, अन्नपूर्णा मंदिर, कांच मंदिर, सीतलामाता मंदिर, आनंद सागर मंदिर, बिजासन माता मंदिर, गोम्मटगिरि को भी विकसित करने की योजना है। सार्वजनिक स्थानों में स्मार्ट स्ट्रीट्स, फूड प्लाजा में मेघदूत, अन्नपूर्णा को शामिल किया है। साप्ताहिक बाजारों और सब्जी मार्केट को भी नए सिरे से डिजाइन करने के साथ नए स्थान भी तलाशे जाना हैं।रिवर फ्रंट में निगम सीमा में आने वाली 2 नदियों का हिस्सा करीब 35 किमी का है। अभी राजबाड़ा के एबीडी एरिया में हरसिद्धि उद्यान वाला सर्कल, संजय सेतु से लोखंडे पुल वाला हिस्सा ही विकसित है। निगम और प्रशासन को नहर भंडारा से लेकर आगे का फ्रंट भी विकसित करना है। समस्या मिल क्षेत्र में है, जहां बस्तियां पूरी कान्ह के किनारे ही बसी हैं। सिंहस्थ से पहले इसके गंदे पानी को शुद्ध करना भी बड़ी चुनौती है। इसके लिए जिला प्रशासन ने आईआईटी के एक्सपर्ट से मदद मांगी है। इस पर काम जारी है। अगले सप्ताह इसकी बैठक भी होना है।

बच्चे के अपहरण की कोशिश, ई-रिक्शा से भाग रहे दो लोगों को पकड़ा

इंदौर। शहर में एक साल के बच्चे के अपहरण की कोशिश का मामला सामने आया है। आरोपी महिला और युवक ई रिक्शा से लेकर भाग रहे थे। दोनों को बच्चे की मां और पिता ने लोगों की मदद से दोनों को पकड़ा है। पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर रही है। परदेशीपुरा पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक शायना खान नाम की महिला की शिकायत पर राखी केवट और कुणाल बौरासी पर एक साल के बच्चे के अपहरण के मामले में केस दर्ज किया गया है। शायना ने पुलिस को बताया कि वह शनिवार दोपहर अपने एक साल के बेटे और पति साजिद के साथ मालवा मिल चौराहे पर चप्पल पहनने आई थी। गुडलक बार के सामने एक दुकान पर शायना चप्पल देख रही थी। तब साजिद बेटे को लेकर बाइक पर बैठाकर चाय पी रहे थे। तब वहां पर एक महिला आई। उसने बेटे को नजदीक आकर हाथ लगाया और कहा कि चॉकलेट दिला लाती हूं। इसके बाद बेटे को गोद में ले लिया। कुछ आगे बढ़कर वह बेटे को लेकर भागने लगी। तब शायना और पति साजिद उसके पीछे दौड़े। वह ई रिक्शा नंबर एमपी 09जेडडब्ल्यू9368 में बैठी। ड्राइवर गाड़ी को तेजी से भगाने लगा। इस दौरान आसपास के लोग इकट्?ठा हो गए। सभी ने महिला और ई रिक्शा के ड्राइवर को पकड़ लिया। दोनों से नाम पता पूछने पर उन्होंने जानकारी दी। बाद में लोगों की मदद से उन्हें लेकर थाने पहुंचे। पुलिस के मुताबिक राखी नशा करती है। उसके दो बच्चे हैं। ई रिक्शा ड्रायवर कुणाल उसका दोस्त है। वह बच्चे को अपने साथ क्यों ले जा रही थी। इस बात को लेकर पूछताछ की जा रही है।

नर्सिंग परीक्षा में फर्जीवाड़ा करने वाले दो युवकों को किया गिरफ्तार

इंदौर। नर्सिंग परीक्षा में फर्जीवाड़ा कर घुसे दो युवकों को संयोगितागंज पुलिस ने रविवार को पकड़ा है। आरोपियों ने प्रवेश पत्र और आईडी कार्ड नकली बनाए थे। पुलिस मामले में आरोपियों से पूछताछ कर रही है। संयोगितागंज पुलिस के मुताबिक मोहम्मद शाहीन पुत्र मोहम्मद युनुस निवासी शिल्पा कॉलोनी खजराना की शिकायत पर पुलिस ने शासकीय नर्सिंग कॉलेज इंदौर में फर्जी तरीके से परीक्षा देने आए रोहित राज निवासी ग्राम महकार बिगहा, पोस्ट परसडीहा, थाना नालन्दा राज्य बिहार और जितेन्द्र कुमार ग्राम महकार बिगहा ,पोस्ट परसडीहा नालंदा राज्य बिहार को पकड़ा है। आरोपी शासकीय नर्सिंग महाविद्यालय इन्दौर मे जीएनएम तृतीय वर्ष की पूरक परीक्षा मे फर्जी प्रवेश पत्र एंव आई डी कार्ड बनाकर परीक्षा मे सम्मिलित होकर परीक्षा देते पकड़ा गया ।

रेपिडो ड्राइवर ने महिला के साथ किया दुष्कर्म, पुलिस ने की कार्रवाई

इंदौर। राऊ निवासी 38 साल की महिला के साथ रेपिडो ड्राइवर द्वारा दुष्कर्म करने का मामला सामने आया है। महिला ने बस स्टेंड तक जाने के लिये रेपिडो कार बुक की थी। नंबर आने के बाद रेपिडो ड्राइवर ने महिला से दोस्ती कर ली। इसके बाद रेपिडो का ड्राइवर उसे लेकर घुमाता रहा। इस बीच आरोपी ने शादी का झांसा देकर महिला से कई बार शारीरिक संबंध बनाए। महिला इवेंट कंपनी से जुड़ी है। महिला ने पुलिस को बताया कि रेपिडो ड्राइवर अंकित पाटीदार ने एक दिन बेटे की बीमारी का बहाना बनाकर 2.50 लाख रुपए लेकर भाग गया। राऊ पुलिस के मुताबिक 7 जून 2024 को उसने रेपिडो बुक की। जिसमें अंकित पाटीदार नाम का ड्राइवर अपनी गाड़ी लेकर वहां आया। महिला ने बताया कि बस स्टैंड के रास्ते में उसने मुझसे मेरे काम के बारे में बात की। तो मुझसे कहने लगा मेरे पास इवेंट से जुड़े काम आते रहते हैं। कुछ होगा तो बताउंगा। इसके बाद वह बातचीत करने लगा। 15 दिन

बाद वह मुझे आईआईएम तक ले गया। यहां मुझसे कार में जबरदस्ती की। फिर कहा कि मुझसे शादी करना चाहता है। इसके बाद दो जगह और कार से घुमाने ले गया। यहां भी उसने रेप किया। फिर एक दिन अंकित ने कहा कि वह पहले से शादीशुदा है और उसका एक बेटा भी है। फिर एक दिन मुझसे बेटे की तबीयत खराब होने का कहकर ढाई लाख रुपए मांगे। कहा कि 15 दिन में लौटा देगा। इसके बाद उसने मुझसे बातचीत बंद कर दी। कॉल भी रिसीव नहीं करता था। फिर एक दिन वह मुझसे शादी की बात से इनकार करके चला गया। और धमकी दी कि किसी से कुछ कहा तो ठीक नहीं होगा। इसके बाद पुलिस ने महिला की शिकायत पर आरोपी अंकित पाटीदार के खिलाफ कार्रवाई की है।

नगर निगम नई तकनीक से भरेगा सड़कों को गड्ढे

इंदौर। सड़कों पर गड्ढों को लेकर इंदौरवासियों की नाराजगी झेल रहे नगर निगम ने नई तकनीक से पेचवर्क करने का फैसला लिया है। इसका ट्रायल रविवार सुबह भंडारी मिल मार्ग पर मेयर और सांसद की मौजूदगी में किया गया। पेचवर्क वाला हिस्सा दो घंटे बाद ट्रैफिक के लिए भी खोल दिया गया। इस पेचवर्क में पानी की तरी की जरुरत नहीं होती है। कंपनी को सड़कों के गड्ढे भरने की जिम्मेदारी दी गई है। इंदौर में लगातार बाारिश के कारण कई प्रमुख मार्गों पर गड्ढे हो गए। इसके कारण यातायात भी बाधित होता है। अब मौसम खुलने के बाद नगर निगम ने गड्ढे भरकर पेचवर्क करने की कवायद की है। रविवार को भंडारी मिल मार्ग पर पेचवर्क किया गया। इस दौरान सांसद शंकर लालवानी, विधायक गोलू शुक्ला, जनकार्य समिति प्रभारी राजेंद्र राठौर भी मौजूद थे। नई तकनीक से सीमेंट को स्पेशल केमिकल में मिलाकर गड्ढे में भरा

गया। दो घंटे के बाद पेचवर्क वाला हिस्सा ट्रैफिक के लिए खोल लिया गया। नई तकनीक में पहले गड्ढे का उखड़ा हुआ मटेरियल बाहर निकाला जाता है, इसके बाद जो कंकड़, पत्थर को निकालकर गड्ढे को साफ किया जाता है, ताकि बेस तैयार हो जाए। फिर गड्ढे की पहली लेयर को केमिकल भरकर समतल किया जाता है। इसके लिए 25 किलो के मटेरियल में ढाई लीटर लिक्विड मिलाकर कोठी में मटेरियल तैयार किया जाता है। इसमें डामर का उपयोग नहीं होता। खास बात यह इसमें कंपनी द्वारा बनाया गया स्पेशल इको फ्रेंडली सीमेंट मिक्स किया जाता है। फिर इसका गड्ढे पर प्लास्टर किया जाता है। इस सीमेंट की खासियत यह है कि दो घंटे में सूख जाता है और तरी नहीं करना पड़ती। इसके बाद सड़क का हिस्सा ट्रैफिक के लिए उपयोग किया जा सकता है।

कोई बनी चंदनबाला तो कोई बनी त्रिशला माता

फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता में बच्चों ने निभाई जैन चरित्रों की भूमिका

भगवान दास बैरागी । सिटी चीफ शाजापुर, किसी ने चंदनबाला बनकर सभी का मन मोह लिया तो किसी ने त्रिशला माता की भूमिका निभाई और कोई मैना सुंदरी का किरदार निभाकर खुश हुआ। वहीं किसी ने कर्म राजा बनकर तालियां बटोरी। अवसर था जैन समाज के पर्यूषण पर्व के प्रथम दिवस आयोजित बच्चों की फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता का, जिसमें नन्हें-मुन्नों ने विभिन्न प्रेरक सामाजिक चरित्रों के जीवंत पात्र बनकर प्रस्तुतियां दी। समाज के मीडिया प्रभारी मंगल नाहर ने बताया कि जैन समाज के आठ दिवसीय पर्यूषण पर्व प्रारंभ हो चुके हैं, जिसके अंतर्गत आठ दिनों तक सूरत गुजरात से आए वीर सैनिक सुश्रावक पूजन सेठ व पार्थ पारिख की विशेष मौजूदगी में नियमित प्रवचन, पूजन, प्रतिक्रमण एवं धार्मिक क्रियाओं सहित सामाजिक व सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। पर्व के प्रथम दिवस विभिन्न धार्मिक कार्यक्रमों के उपरांत रात्रि 8.30 बजे मंडल द्वारा फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें बच्चों ने सांवलिया पार्श्वनाथ, सती सीता, चंदनबाला, गिरनार पर्वत, त्रिशला माता, कर्म राजा, मैना सुंदरी, श्रीपाल महाराजा, बाल साध्वी, पूजा की थाली,

जैन प्रतीक चिन्ह का रूप धारण कर अपनी प्रभावी प्रस्तुतियां दी, जिस पर उपस्थितजनों ने तालियां बजाकर उत्साह वर्धन किया। निर्णायकों द्वारा बेहतर प्रस्तुतियों के आधार पर बच्चों को पुरस्कृत भी किया गया। **बच्चों ने उत्साह से लिया भाग-** सामाजिक संस्कारों से बच्चों के जुड़ाव हेतु पार्श्व बहु मंडल द्वारा शाम के प्रतिक्रमण एवं आरती व प्रभु भक्ति के उपरांत दादावाड़ी में आयोजित फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता में बच्चों ने उत्साह के साथ भाग लिया। इस दौरान निवेश नारेलिया, जीविका चोपड़ा, प्रांशी मांडलिक, जैनी गोलेछा, संकल्प मांडलिक, आंचल खंडेलवाल, पार्श्व कोठारी, वंश खंडेलवाल, सम्यक मांडलिक, धेर्या कोठारी, रवि कोठारी, हितांशी कोठारी, जैनेश कटारिया आदि बच्चों ने आकर्षक वैशभूषा में तैयार होकर पात्रों का जीवंत चित्रण किया जिन्हें आयोजकों द्वारा पुरस्कृत भी किया गया।

दादा गुरुदेव की पूजा आज- पर्यूषण पर्व के तीसरे दिवस आज सोमवार दोपहर 2 बजे स्व कैलाशचंदजी बरडिया के आत्म श्रैयार्थ कामेश सिद्धांत बरडिया परिवार द्वारा दादावाड़ी में दादा गुरुदेव की पूजा आयोजित की जाएगी। पर्व के प्रथम दिवस शनिवार दोपहर 2 बजे चौबीस जिनालय धाम में पंचकल्याणक की पूजा पुलकित नाहर परिवार तथा द्वितीय दिवस रविवार दोपहर 2 बजे नवपदजी की पूजा निकेश कुमार, दीपक कुमार मांडलिक परिवार द्वारा आयोजित की गई।

हावी हो रही गुटबाजी के बीच सामंजस्य बनाना प्रदेश अध्यक्ष के सामने बड़ी चुनौती

आठ महीने में अपनी टीम नहीं बना पाए जीतू पटवारी

भोपाल। मध्य प्रदेश कांग्रेस पार्टी के नए प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी को पद संभाले करीब 8 महीने से ज्यादा का समय बीत गया है, लेकिन पटवारी अभी तक अपनी टीम का गठन नहीं कर पाए हैं। प्रदेश कार्यकारिणी के घोषणा को लेकर लगातार कयास लगाया जा रहे हैं। भोपाल से दिल्ली तक मंथन चल रहा है। मध्य प्रदेश प्रभारी जितेंद्र भंवर सिंह भी कई बार बोल चुके हैं कि पदाधिकारियों की लिस्ट तैयार हो गई है जल्द ही घोषणा की जाएगी। कांग्रेस सूत्रों की माने तो पार्टी ने कार्यकारिणी की लिस्ट तैयार कर ली है लेकिन बुधनी और विजयपुर में होने वाले उप चुनाव के कारण कार्यकारिणी का घोषणा नहीं किया गया है। पार्टी के बड़े नेताओं को लग रहा है कि कार्यकारिणी की घोषणा होने पर कई नेता नाराज हो सकते हैं और इसका असर उपचुनाव पर पड़ सकता है। यही कारण है की कार्यकारिणी की घोषणा लगातार टलती जा रही है। मध्य प्रदेश में कांग्रेस और गुटबाजी का गहरा नाता हो चला है। दरअसल प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी युवा और महिलाओं को अपनी टीम में अधिक से अधिक जगह देना चाहते हैं। जबकि कांग्रेस के बड़े नेता खुद को या अपने चाहने वालों को कार्यकारिणी में जगह दिलाना चाहते हैं। यही कारण है कि कई नेता जीतू पटवारी से नाराज चल रहे हैं। कई नेता तो खुलकर भी पटवारी के खिलाफ बयान बाजी कर चुके हैं। पटवारी के सामने परीक्षा की घड़ी है कि पार्टी को कैसे मैनेज करते हैं और कार्यकारिणी में सभी का समन्वय बनाते हैं। दरअसल राज्य में किसी दौर में कांग्रेस सत्ता में थी, संगठन भी मजबूत हुआ करता था, मगर वर्ष 2003 के बाद ऐसी स्थितियां बनी कि कांग्रेस लगातार कमजोर होती गई। अब एक बार फिर से कांग्रेस को मजबूत करने में पार्टी के सभी नेता जुटे हुए है।

कांग्रेस पार्टी ने दिसंबर 2023 विधानसभा में करारी हार के बाद प्रदेश अध्यक्ष की कमान जीतू पटवारी को सौंपी गई थी। कमलनाथ की प्रदेश अध्यक्ष पद से विदाई की गई थी। गौरतलब है कि मध्य प्रदेश में कांग्रेस पार्टी विधानसभा के लगातार तीन चुनाव हार गई। लेकिन साल 2018 के विधानसभा चुनाव में पार्टी ने अन्य दलों के सहयोग से सत्ता हासिल की। पार्टी को सत्ता जरूर मिल गई, मगर गुटबाजी के रोग ने उसे ज्यादा दिन सत्ता हाथ में नहीं रहने दिया।15 महीने ही कमलनाथ के नेतृत्व में कांग्रेस की सरकार ने काम किया। उसके बाद सिंधिया के अलग होने से सरकार गिर गई और तब से कांग्रेस को सत्ता से बाहर रहना पड़ रहा है।

जब से जीतू पटवारी को प्रदेश अध्यक्ष बनाया गया है मध्य प्रदेश सरकार के खिलाफ कांग्रेस पार्टी लगातार सड़कों पर आंदोलन करती नजर आ रही है। पिछले दो महीने में 10 से ज्यादा बड़े आंदोलन प्रदेश में हो चुके हैं। खास बात यह है कि नर्सिंग, बेरोजगारी जैसे मुद्दों पर कांग्रेस के प्रदर्शन में सभी बड़े नेता शामिल हो रहे हैं, यह पार्टी के लिए अच्छे संकेत है। हालांकि कई नेता पार्टी में सक्रियता दिखाकर कार्यकारिणी में जगह चाहते हैं। नए प्रदेश अध्यक्ष बनने के बाद पार्टी के सक्रिय नेताओं को जिम्मेदारी का इंतजार है। मीडिया विभाग के अलावा कुछ नेताओं के पास जिम्मेदारी है, मगर ज्यादातर पद अब भी खाली हैं और दावेदार जोर आजमाइश कर रहे हैं।

छतरपुर जिले में अस्पताल प्रबंधन और नर्स की लापरवाही से गई नवजात की जान, नर्स ने रिश्वत में मांगे थे दो हजार रुपए

बाथरूम में देना पड़ा बच्ची को जन्म, फर्श पर गिरने से हुई मौत

भोपाल/छतरपुर। मध्य प्रदेश के छतरपुर जिले में अस्पताल प्रबंधन एवं एक नर्स की लापरवाही के चलते नवजात बच्ची की मौत हो गई। आरोप है कि अस्पताल की एक नर्स ने 2000 रुपये रिश्वत की मांग की। जब गर्भवती महिला के परिजनों ने पैसे नहीं दिए तो किसी ने भी उसकी मदद नहीं। महिला को बाथरूम में बच्ची को जन्म देना पड़ा, जिसकी थोड़ी देर बाद मौत हो गई।

जानकारी के अनुसार, छतरपुर जिले के ईशानगर स्वास्थ्य केंद्र में शनिवार की रात सलैया गांव में रहने वाले बालकिशन आदिवासी अपनी गर्भवती पत्नी को लेकर आए थे। स्वास्थ्य केंद्र में मौजूद नर्स से जब उन्होंने अपनी पत्नी को देखने के लिए कहा तो उसने 2000 रुपये रिश्वत की मांग की। बालकिशन ने बताया कि उसके पास पैसे नहीं थे। पैसे नहीं देने पर अस्पताल में मौजूद किसी भी कर्मचारी ने उसकी पत्नी का इलाज नहीं किया। उसकी पत्नी ने बाथरूम में बच्ची को जन्म दे दिया। बाथरूम में डिलीवरी होने के कारण बच्ची फर्श पर गिरी और उसके सिर में गंभीर चोटें आईं, जिससे उसकी मौत हो गई। बालकिशन का कहना है कि वह गरीब मजदूर है। अगर उसके पास पैसे होते तो वह रिश्वत के पैसे जरूर दे देता। प्यारी आदिवासी ने बताया कि वह अपनी देवरानी को लेकर ईशानगर स्वास्थ्य केंद्र लेकर आई थी। अस्पताल में नर्स ने पैसों की मांग की। हमारे पास उस वक्त पैसे नहीं थे। हम लोग हाथ पैर जोड़ते रहे, लेकिन नर्स पैसे की मांग पर अड़ी रही। हमें अस्पताल से बाहर जाने को कहा। कुछ देर बाद उसकी देवरानी ने अस्पताल के बाथरूम में ही बच्ची को जन्म दे दिया। उसकी देवरानी काफी देर तक चिल्लाती रही, लेकिन किसी ने कोई मदद नहीं की। आखिरकार बच्ची की मौत हो गई। घटना के बाद परिजन ईशानगर थाने पहुंचे। इस मामले में अस्पताल की नर्स एवं अन्य स्टाफ के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराने के लिए अड़ गए। परिजनों का कहना है कि अस्पताल प्रबंधन की लापरवाही की वजह से बच्ची की मौत हुई है। इसलिए सभी को सजा मिलनी चाहिए। वहीं, इस पूरे मामले में छतरपुर जिले के सीएमएचओ आरके गुप्ता का कहना है कि वह अस्पताल पहुंच गए हैं। मामले की जांच कर रहे हैं। इसमें जो भी दोषी होगा, उस पर कठोर कार्रवाई की जाएगी।

पीएम मोदी के जन्मदिन से शुरू हो सकती है शूटिंग, डिस्कवरी नेटवर्क पर 170 देशों में विभिन्न भाषाओं में किया जाएगा प्रसारित

केंद्र सरकार ने 'प्रोजेक्ट चीता' पर वेब सीरीज को दी मंजूरी

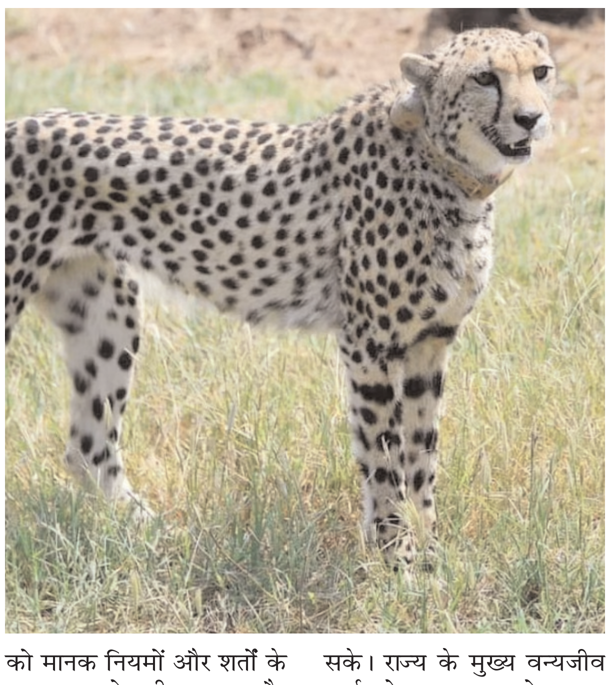

भोपाल। अफ्रीका से लाए गए चीतों की बसाहट को लेकर चिंताओं के बीच, केंद्र ने प्रोजेक्ट चीता पर 4 भाग की वेब सीरीज के फिल्मांकन के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है, ताकि देश के प्रयासों को दुनिया के सामने प्रदर्शित किया जा सके। पता चला है कि इसकी शूटिंग सितंबर में, संभवत= 17 सितंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन और प्रोजेक्ट चीता की दूसरी वर्षगांठ के आसपास शुरू हो सकता है। एनटीसीए के उप महानिरीक्षक वैभव चंद्र माथुर ने 21 जुलाई को मध्यप्रदेश के मुख्य वन्यजीव वार्डन को लिखे पत्र में कहा कि प्राधिकरण की आठवीं तकनीकी समिति ने चीता को दूसरे देश में बसाने की दुनिया की पहली पहल प्रोजेक्ट चीता पर एक वेब सीरीज के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। पत्र में कहा गया, इस संबंध में, यह अनुरोध किया जाता है कि कृपया मेसर्स शेन फिल्म्स और प्लांटिंग प्रोडक्शंस को मानक नियमों और शर्तों के अनुसार कूनो राष्ट्रीय उद्यान और गांधी सागर वन्यजीव अभयारण्य में फिल्मांकन करने की सुविधा प्रदान की जाए, ताकि देश के प्रयासों को दुनिया के सामने प्रदर्शित किया जा सके। राज्य के मुख्य वन्यजीव वार्डन ने छह अगस्त को प्रस्ताव को मंजूरी दे दी। प्रस्ताव के अनुसार वेब सीरीज को डिस्कवरी नेटवर्क पर 170 देशों में विभिन्न भाषाओं में प्रसारित किया जाएगा। वेब सीरीज का उद्देश्य परियोजना की संकल्पना, चीतों को भारत लाने में आई कठिनाइयों, चीतों की स्थिति और भविष्य की अपेक्षाओं को उजागर करना है। प्रस्ताव में कहा गया है कि इसका लक्ष्य लोगों को इस विशाल परियोजना की बारीकियों को समझाना है। पूर्व में एनटीसीए और भारतीय वन्यजीव संस्थान के साथ तालमेल कर चुके वेब सीरीज बनाने वालों ने परियोजना के क्रियान्वयन के लिए 50 लाख रुपए की वित्तीय सहायता को लेकर मध्य प्रदेश पर्यटन और एमपी टाइगर फाउंडेशन से भी संपर्क किया है। एक अधिकारी ने पहचान जाहिर नहीं करने का अनुरोध करते हुए कहा, वित्तीय सहायता संभव नहीं है, लेकिन हम निर्देशानुसार वेब सीरीज के फिल्मांकन के लिए पूरा सहयोग देंगे। भोपाल स्थित वन्यजीव कार्यकर्ता अजय दुबे ने वृत्तचित्र बनाने की जल्दबाजी पर सवाल उठाते हुए कहा कि इस परियोजना के सामने कई चुनौतियां हैं, जिनका पहले समाधान किया जाना चाहिए। उन्होंने वेब सीरीज को फिल्माने की अनुमति देने की प्रक्रिया पर भी सवाल उठाया और कहा कि रिकॉर्ड से पता चलता है कि चीता परियोजना संचालन समिति ने इस मुद्दे पर कभी चर्चा नहीं की। इस समिति का गठन पिछले साल मई में परियोजना की प्रगति की निगरानी और समीक्षा करने तथा इसके क्रियान्वयन पर मध्यप्रदेश वन विभाग और एनटीसीए को सलाह देने के लिए किया गया था। अब तक अफ्रीका से 20 चीते भारत लाए जा चुके हैं। सितंबर 2022 में नामीबिया से आठ और फरवरी 2023 में दक्षिण अफ्रीका से 12 चीते लाए गए। कुछ चीतों को शुरू में जंगल में छोड़ दिया गया था, लेकिन पिछले साल 13 अगस्त तक तीन चीतों की सेप्टीसीमिया से मौत हो जाने के बाद उन्हें वापस बाड़ों में भेज दिया गया था।

अरुण यादव ने सरकार पर बोला हमला, कहा- पोषण आहार में नए नए तरीके से किए घोटाले

अरुण यादव बोले- कुपोषण में मप्र पहले नंबर पर

भोपाल। मध्य प्रदेश में बच्चों में कुपोषण को लेकर कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री अरुण यादव ने प्रदेश सरकार पर जमकर हमला बोला हैं। उन्होंने कहा कि देश में कुपोषण के मामले में मध्य प्रदेश पहले नंबर पर है। आखिर एमपी से कुपोषण का कलंक कब मिटेगा? नेता अरुण यादव ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर पोस्ट कर लिखा कि देश में कुपोषण के मामले में मप्र प्रथम स्थान पर है। मप्र में भाजपा की निकम्मी सरकार पिछले 20 वर्षों से कुपोषण मिटाने के नाम पर नेताओं अधिकारियों की सांठगांठ से अरबों रुपए का बंदरबांट कर चुकी है, साथ ही पोषण आहार में नए नए तरीके से घोटाले किए गए है।

अरुण यादव ने लिखा कि घोटालेबाजों पर अभी तक सरकार ने कोई कठोर कार्रवाई नहीं की है। आखिर मप्र से कुपोषण का कलंक कब मिटेगा। गौरतलब है कि केंद्र सरकार द्वारा संचालित पोषण ट्रैकर की जून 2024 की रिपोर्ट के मुताबिक, प्रदेश की 97 हजार 135 आंगनबाड़ी में 6 साल तक के पंजीकृत 65 लाख 99 हजार बच्चों में से करीब 40 प्रतिशत यानी 26 लाख बच्चे बौने या मध्यम बौने कैटेगरी में हैं। वहीं 27 फीसदी बच्चे कम वजन के पाए गए हैं। कम वजन वाले बच्चों की संख्या में 3 फीसदी तक की बढ़ोतरी दर्ज हुई है।

प्रदेश को मिलने वाली पोषण आहार की राशि केंद्र सरकार बढ़ाने जा रही है। राज्य सरकार ने बढ़ती महंगाई को देखते हुए राशि बढ़ाने का प्रस्ताव भेजा था। 6 माह से 6 साल तक के बच्चे, गर्भवती, अति कम वजन के बच्चों को प्रति हितग्राही प्रतिदिन पूरक पोषण आहार दिया जाता है। प्रति बच्चे पर पोषण आहार के लिए 8 से 12 रुपए तक खर्च होता है। इस वजह से राज्य सरकार ने केंद्र को प्रस्ताव भेजा था और मांग की थी कि प्रति बच्चे पर मिलने वाली राशि को 12 रुपए की जगह 18 रुपए किया जाए।

दो हेलीकॉप्टरों के साथ उड़ान भरने की तैयारी

भोपाल। मध्य प्रदेश में धार्मिक स्थलों की यात्रा को सुविधाजनक बनाने के लिए शुरू की गई पीएम श्री धार्मिक पर्यटन हेली सेवा अक्टूबर में दो हेलीकॉप्टरों के साथ फिर से शुरू होगी। यह सेवा पहली बार 16 जून को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा उज्जैन से शुरू की गई थी, लेकिन इसके बाद किसी अन्य यात्री ने इसका लाभ नहीं उठाया। अधिकारियों का कहना है कि बरसात के चलते हेलीकॉप्टर की सेवा को रोका गया है। दो हेलीकॉप्टरों से बरसात के बाद सेवा को दोबारा शुरू किया जाएगा। पीएम श्री धार्मिक पर्यटन हेली सेवा की पहली उड़ान उज्जैन से ओंकारेश्वर के लिए संचालित की गई थी, जिसमें एक परिवार ने यात्रा की। इसके बाद, सेवा की दूसरी उड़ान संभव नहीं हो पाई। इसका मुख्य कारण यात्रियों की कमी को बताया गया। अब नई योजना के अनुसार, दो हेलीकॉप्टरों के साथ धार्मिक हेली सेवा को फिर से शुरू किया जाएगा। इस सेवा में न केवल उज्जैन से ओंकारेश्वर और महाकालेश्वर जैसे प्रमुख ज्योतिर्लिंगों को जोड़ने की योजना है, बल्कि इसके विस्तार के तहत प्रदेश के अन्य धार्मिक और ऐतिहासिक स्थलों जैसे मैहर, दतिया, और ओरछा को भी शामिल किया जाएगा। योजना में हेलीकॉप्टरों की संख्या बढाई जाएगी,जिससे अधिक से अधिक यात्री इस सेवा का लाभ उठा सकें। विमानन विभाग के प्रमुख सचिव संजय कुमार शुक्ला ने बताया कि बरसात के बाद सेवा को दो हेलीकॉप्टर के साथ शुरू किया जाएगा। अभी बारिश की वजह से सेवा को रोका गया है। हेलीकॉप्टर की संख्या बढ़ने से ज्यादा यात्रियों को लाभ मिल सकेगा।

महाराष्ट्र में मुआवजा राशि 25 लाख, मप्र में सिर्फ 8 लाख

जानवरों के हमलों पर मुआवजा राशि बढ़ाने की तैयारी में सरकार

भोपाल। वन्यप्राणी के हमलों में होने वाली जनहानि पर मध्य प्रदेश सरकार अब महाराष्ट्र की तरह मुआवजा देने की तैयारी कर रही है। इसको लेकर कवायद शुरू हो गई है, लेकिन नौ माह पहले ही यह मुआवजा राशि चार लाख रुपये से बढ़ाकर आठ लाख रुपये की गई थी, इसलिए वन विभाग राशि बढ़ाने में परेशानी हो रही है। दरअसल, मप्र में वन्यप्राणी के हमलों में होने वाली जनहानि में मुआवजा राशि महाराष्ट्र के मुकाबले कई गुना कम है। मप्र में यह राशि आठ लाख रुपये प्रति व्यक्ति है, वहीं महाराष्ट्र में यह 25 लाख रुपये है। राज्य की सीमा पर वन्यप्राणी के हमले से व्यक्ति की मौत पर मुआवजा देने को लेकर विरोधाभास जैसी स्थिति बन रही है। इसको लेकर पिछले दिनों मप्र और महाराष्ट्र के अधिकारियों के साथ हुई बैठक में इस विषय पर चर्चा भी हुई थी और मुआवजा देने को लेकर कार्ययोजना बनाकर दोनों राज्यों के समन्वय से कार्य किया जाएगा। वन मुख्यालय के अधिकारियों का कहना है कि मप्र के अधिकतर बाघ एवं तेंदुआ बहुल जिले मध्य प्रदेश-महाराष्ट्र की सीमा पर स्थित हैं। इस कारण महाराष्ट्र में भुगतान की जाने वाली क्षतिपूर्ति राशि की तुलना प्रदेश में दी जाने वाली क्षतिपूर्ति राशि से होना स्वाभाविक है और कम क्षतिपूर्ति राशि मिलने पर मृतकों के परिजनों में वन्यप्राणियों के प्रति रोष उत्पन्न होना भी स्वाभाविक है। **स्थानीय ग्रामीणों में आक्रोष, राशि बढ़ाने की मांग-** वन मुख्यालय ने शासन के समक्ष प्रस्ताव प्रस्तुत किया था कि विगत समय में घटित जनहानि के प्रकरणों में स्थानीय ग्रामीणों द्वारा क्षतिपूर्ति राशि को बढ़ाए जाने की मांग की गई है। वर्ष 2023 पेंच टाइगर रिजर्व के बफर जोन में बाघ द्वारा तीन एवं दक्षिण सिवनी वनमंडल में एक जनहानि की गई थी। प्रकरण में ग्रामीणों द्वारा भारी असंतोष व्यक्त किया गया एवं क्षतिपूर्ति राशि आठ लाख से बढ़ाकर महाराष्ट्र राज्य में दी जाने वाली क्षतिपूर्ति की राशि 25 लाख रुपये देने की मांग की गई। क्षतिपूर्ति की राशि कम होने के कारण जनहानि से प्रभावित ग्रामीणों द्वारा वन्यप्राणियों को जहर देकर मारने एवं उन्हें नुकसान पहुंचाने की संभावना बनी रहती है।

संपादकीय

सरकार ने संघ प्रमुख मोहन भागवत की सुरक्षा क्यों बढ़ाई?

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत की सुरक्षा में बीते दिनों इजाफा कर दिया गया। उनकी सुरक्षा में एडवांस सिक्योरिटी लाइजन (एएसएल) का घेरा बढ़ाया गया है। भागवत को पहले से ही जेड प्लस कैटेगरी की सुरक्षा मिली हुई है। अभी तक एएसएल की सुरक्षा सिर्फ केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के पास ही थी। एएसएल की सुरक्षा जिस शख्स को मिलती है, यह उसकी सुरक्षा की तैयारी और प्रबंधन से जुड़ी होती है। यह सुरक्षा जिस शख्स के पास होती है, उसे जिस जगह जाना होता है, उससे पहले एक विशेष टीम वहां पहुंचकर सुरक्षा इंतजामों का जायजा लेती है।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत की सुरक्षा में बीते दिनों इजाफा कर दिया गया। उनकी सुरक्षा में एडवांस सिक्योरिटी लाइजन (एएसएल) का घेरा बढ़ाया गया है। भागवत को पहले से ही जेड प्लस कैटेगरी की सुरक्षा मिली हुई है। अभी तक एएसएल की सुरक्षा सिर्फ केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के पास ही थी। एएसएल की सुरक्षा जिस शख्स को मिलती है, यह उसकी सुरक्षा की तैयारी और प्रबंधन से जुड़ी होती है। यह सुरक्षा जिस शख्स के पास होती है, उसे जिस जगह जाना होता है, उससे पहले एक विशेष टीम वहां पहुंचकर सुरक्षा इंतजामों का जायजा लेती है। यह टीम सुरक्षा इंतजामों में क्या खामियां हैं, इसकी भी पहचान करती है और स्थानीय पुलिस के साथ तालमेल बनाकर काम करती है। एएसएल प्रोटोकॉल के तहत जिस शख्स को सुरक्षा मिली होती है, उसकी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए जिला प्रशासन, पुलिस, स्वास्थ्य महकमा और अन्य स्थानीय एजेंसियां भी मदद करती हैं। इस सुरक्षा को हासिल करने वाला शख्स कई स्तर के सुरक्षा घेरों के बीच में रहता है। भारत में अभी तक 10 लोगों को जेड प्लस सिक्योरिटी हासिल है। यह सबसे बड़ा सुरक्षा कवर है जिसमें सीआईएसएफ के जवान शामिल होते हैं। इसके अलावा जेड प्लस सुरक्षा हासिल करने वाले कुछ लोगों के पास अतिरिक्त एएसएल सुरक्षा होती है और ऐसा उन लोगों को होने वाले खतरे के आधार पर किया जाता है। नागपुर में स्थित आरएसएस के मुख्यालय और दिल्ली में स्थित आरएसएस के दफ्तर केशव कुंज को भी सीआईएसएफ की सुरक्षा हासिल है। सीआईएसएफ देशभर में लगभग 200 लोगों को अलग-अलग लेवल की सुरक्षा देता है। सुरक्षा एजेंसियों को हाल ही में इस बात का इनपुट मिला था कि कुछ प्रतिबंधित संगठन आरएसएस के मुखिया मोहन भागवत पर हमला कर सकते हैं। अभी तक मोहन भागवत को कुछ जगहों पर ही एएसएल की सुरक्षा मिलती थी लेकिन जब केंद्रीय एजेंसियों को इसमें कुछ खामियां मिली तो गृह मंत्रालय ने उनकी सुरक्षा की समीक्षा करने का आदेश दिया। सुरक्षा की समीक्षा पूरी होने के बाद और मोहन भागवत को होने वाले खतरे के आकलन के बाद 16 अगस्त को इस संबंध में ताजा दिशा-निर्देश जारी किए गए। सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को मोहन भागवत की सुरक्षा बढ़ाए जाने के संबंध में सूचना दी जा चुकी है। एएसएल के तहत जिला प्रशासन, पुलिस, स्वास्थ्य और इस स्तर की सुरक्षा प्राप्त व्यक्ति की सुरक्षा से संबंधित अन्य विभागों जैसी स्थानीय एजेंसियों की भागीदारी अनिवार्य है। इसमें बहुस्तरीय सुरक्षा घेरे के साथ तोड़फोड़ विरोधी जांच शामिल है। हेलीकॉप्टर यात्रा की अनुमति केवल विशेष रूप से डिजाइन किए गए हेलीकॉप्टरों में दी जाएगी और निर्धारित प्रोटोकॉल के अनुसार संचालित होगी। गृह मंत्रालय की ओर से बताया गया है कि खुफिया रिपोर्ट में मोहन भागवत की जान को खतरा बताया गया है। वह भारत विरोधी कट्टर इस्लामी संगठनों के निशाने पर हैं, इसलिए उनकी सुरक्षा बढ़ाने का फैसला लिया गया है। जेड प्लस सिक्योरिटी कई तरह की होती है और हर एक कैटेगरी में अलग अलग तरह से कवर दिया जाता है। जेड प्लस सिक्योरिटी में जेड प्लस कवर, जेड प्लस विद एनएसजी कवर और जेड प्लस विद एएसएल सिक्योरिटी शामिल है। अगर एएसएल कवर की बात करें तो यह जेड प्लस सिक्योरिटी में सबसे खास है। यह पीएम के एसपीजी कवर की तरह है और इसमें कुछ प्रोटोकॉल पीएम सिक्योरिटी की तरह हैं। यानी जिस तरह पीएम की सिक्योरिटी में नियम होते हैं, वैसे ही नियम एएसएल कवर वाले की सिक्योरिटी में भी होते हैं। एएसएल का मतलब है एडवांस सिक्योरिटी लाइजन। इस कवर में न सिर्फ सिक्योरिटी पर्सन साथ चलते हैं जबकि सिक्योरिटी प्राप्त शख्स कहीं जाता है तो उसकी सिक्योरिटी पहले वहां जाती है। उनकी सिक्योरिटी विजिट से पहले उस जगह का दौरा करती है और ये देखती है कि वहां किस तरह की व्यवस्था है और एक प्लान तैयार करती है। इसमें सिक्योरिटी प्राप्त शख्स की एंट्री, एग्जिट और वहां आने वाले लोगों के एक्सेस आदि के बारे में पता कर लिया जाता है और उसके हिसाब से प्लान तैयार होता है। उनके कहीं आने जाने का रूट भी खास तरह से तैयार किया जाता है। इस कवर में आईबी भी इन्वॉल्व रहती है और उनके साथ मिलकर सिक्योरिटी दी जाती है।

इंटरनेट प्लेटफॉर्म्स की आजादी पर सवाल

क्या इंटरनेट प्लेटफॉर्म्स को उनके यूजर्स की गतिविधियों के लिए जिम्मेदार ठहराया जाना चाहिए। एक तरफ सरकारें चाहती हैं कि ये प्लेटफॉर्म्स अवैध गतिविधियों और गलत जानकारी के प्रसार को रोकें, तो दूसरी तरफ बोलने की आजादी और निजता के समर्थक इन प्लेटफॉर्म्स पर सरकारी नियंत्रण का विरोध करते हैं। टेलीग्राम के फाउंडर पावेल दुरोव को फ्रांस में गिरफ्तार किया गया है। उन पर आरोप है कि उनके प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल गैरकानूनी कामों, ड्रग्स की तस्करी, मनी लॉन्ड्रिंग और बच्चों के यौन शोषण की तस्वीरें शेयर करने के लिए किया जा रहा है।

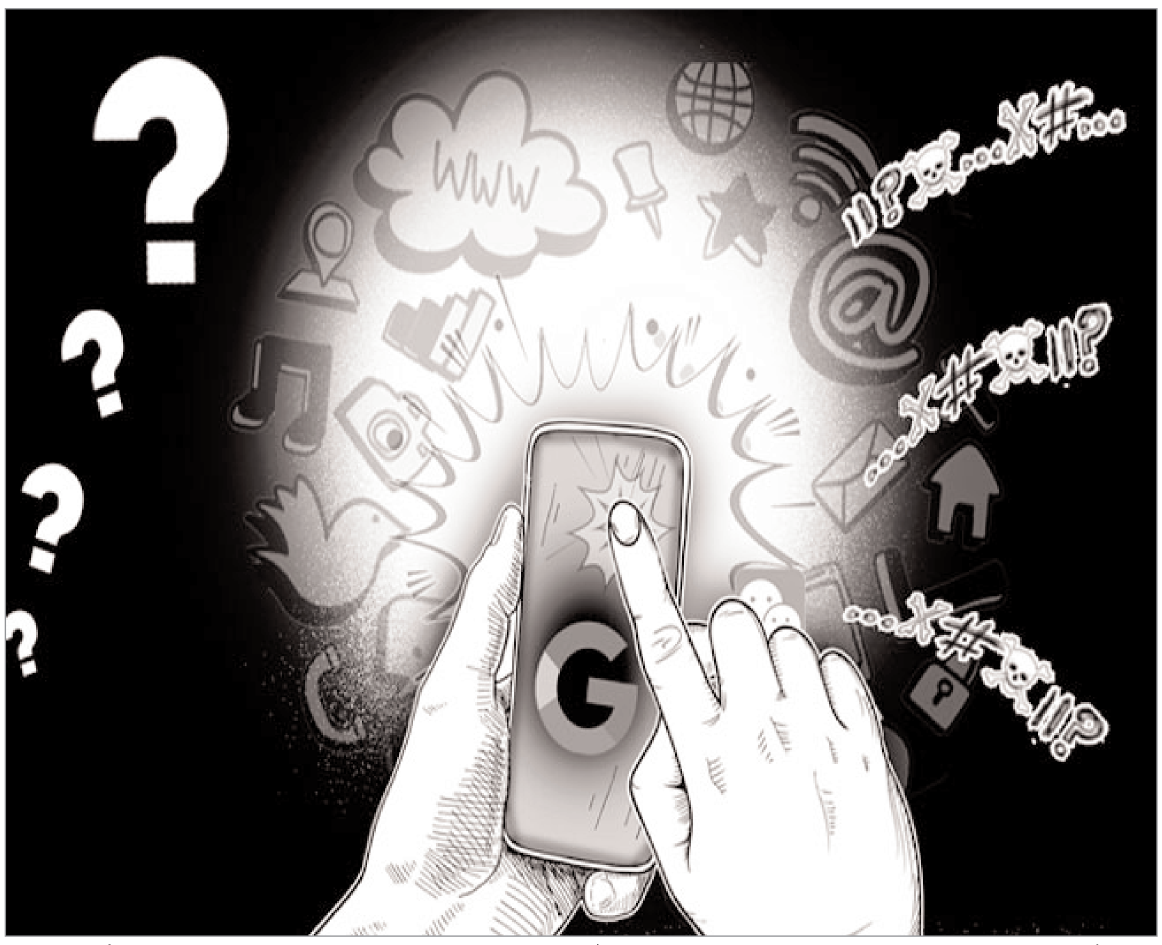

दुनियाभर में इंटरनेट प्लेटफॉर्म्स की आजादी पर सवाल उठ रहे हैं। पिछले कुछ दिनों में कई घटनाएं घटी हैं जो दिखाती हैं कि सरकारें और अदालतें इन प्लेटफॉर्म्स पर लगाम लगाने की कोशिश कर रही हैं। फ्रांस में टेलीग्राम के फाउंडर पावेल दुरोव को गिरफ्तार किया गया है, ब्राजील में एक्स (पहले ट्विटर) को बैन कर दिया गया है और अमेरिका में मेटा के फाउंडर मार्क जुकरबर्ग ने बताया है कि उन्हें सरकार की तरफ से सेंसरशिप का दबाव झेलना पड़ रहा है। ये घटनाएं इस बहस को हवा देती हैं कि क्या इंटरनेट प्लेटफॉर्म्स को उनके यूजर्स की गतिविधियों के लिए जिम्मेदार ठहराया जाना चाहिए। एक तरफ सरकारें चाहती हैं कि ये प्लेटफॉर्म्स अवैध गतिविधियों और गलत जानकारी के प्रसार को रोकें, तो दूसरी तरफ बोलने की आजादी और निजता के समर्थक इन प्लेटफॉर्म्स पर सरकारी नियंत्रण का विरोध करते हैं। टेलीग्राम के फाउंडर पावेल दुरोव को फ्रांस में गिरफ्तार किया गया है। उन पर आरोप है कि उनके प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल गैरकानूनी कामों, ड्रग्स की तस्करी, मनी लॉन्ड्रिंग और बच्चों के यौन शोषण की तस्वीरें शेयर करने के लिए किया जा रहा है। दुरोव पर यह भी आरोप है कि उन्होंने अधिकारियों के साथ जानकारी साझा करने से इनकार कर दिया।

ब्राजील में सुप्रीम कोर्ट के एक जज ने एक्स को बैन कर दिया है। प्लेटफॉर्म ने अपने कानूनी प्रतिनिधि को हटा दिया था जो अदालती आदेशों का पालन करते थे। इससे पहले जज अलेक्जेंड्रे डी मोरेस ने कथित तौर पर दक्षिणपंथी कार्यकर्ताओं और बोल्सोनारो समर्थकों से जुड़े खातों को हटाने का निर्देश दिया था। एक्स के मालिक एलन मस्क ने डी मोरेस को 'ब्राजील का डार्थ वेडर' कहा है और बोलने की आजादी का हवाला देते हुए उनके खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। टेलीग्राम को भी पहले ब्राजील में ब्लॉक करने की धमकी दी गई थी, जिसके बाद उसने एक स्थानीय प्रतिनिधि को काम पर रखा था। इससे पहले वाट्सएप को भी ब्राजील में ब्लॉक किया जा चुका है।

मेटा के फाउंडर मार्क जुकरबर्ग ने खुलासा किया है कि अमेरिकी अधिकारियों ने उन पर कुछ खास कोविड-19 पोस्ट, जिनमें व्यंग्य भी शामिल है, को सेंसर करने का दबाव डाला था। उन्होंने यह भी स्वीकार किया है कि मेटा ने 2020 के चुनाव से पहले हंटर बाइडेन के बारे में न्यूयॉर्क पोस्ट की एक स्टोरी को गलत तरीके से डिमोट कर दिया था। ये घटनाएं सेफ हार्बर के सिद्धांत पर सवाल उठाती हैं। इस सिद्धांत के तहत, प्लेटफॉर्म्स को केवल मैसेंजर माना जाता है और उन्हें उनके उपयोगकर्ताओं की गतिविधियों के लिए जिम्मेदार नहीं ठहराया जाता है, भले ही उन्हें जरूरत पड़ने पर सामग्री को मॉडरेट करने का अधिकार हो। यह सरकारों के लिए चुनौतियां पैदा करता है जो प्लेटफॉर्म्स पर अवैध गतिविधियों और निगरानी में अक्षमता का हवाला देकर उन्हें कमजोर करने और हमारे निजी संदेशों की निगरानी को बढ़ावा देने की कोशिश करती हैं। प्लेटफॉर्म्स पर गलत सूचना और समाज को धीरे-धीरे जहरीला बनाने की साजिशें भी रची जाती हैं। हालांकि, आमतौर पर अवैध गतिविधियां उन अरबों संदेशों और सामग्री का एक छोटा सा हिस्सा होती हैं जो प्लेटफॉर्म्स हर दिन अपने माध्यम से गुजरते हैं।

विभिन्न देशों के बीच न्यायिक विसंगतियां इस समस्या को और भी जटिल बना देती हैं। जो भाषण एक देश में स्वतंत्र है वह दूसरे देश में नहीं भी हो सकता है। उदाहरण के लिए, सऊदी अरब में एलजीबीटीक्यूआई आंदोलन का समर्थन करना अवैध हो सकता है, लेकिन भारत में नहीं। सभी सरकारें सत्तावाद के एक स्पेक्ट्रम पर काम करती हैं। कुछ देशों में, अदालतें और यहां तक कि सुप्रीम कोर्ट भी राजनीतिक रूप से पक्षपाती होती हैं। राजनीतिक गतिविधियों का संचालन और समन्वय करने की आजादी उतनी ही जरूरी है जितनी कि वाट्सएप पर किसी प्रियजन के साथ अपनी मेडिकल समस्या पर चर्चा करने या किसी मित्र के साथ अपनी लोकेशन शेयर करने की आजादी। साथ ही, हमें इस जोखिम का भी सामना करना पड़ता है कि प्लेटफॉर्म्स अपनी मर्जी से या सरकारी दबाव में राजनीतिक रूप से काम करें, उपयोगकर्ताओं की निगरानी करें या कुछ खास तरह के भाषणों को दबाएं। यह स्पष्ट है कि प्लेटफॉर्म के फैसले दबाव के आगे झुक सकते हैं और हमेशा समाज के हित में काम न करें।

यूरोपीय संघ, अमेरिका और भारत जैसे देश अपनी सरकारों को प्लेटफॉर्म्स के खिलाफ मजबूत कर रहे हैं। भारत में अपने आईटी नियम 2021 और प्रस्तावित डिजिटल इंडिया अधिनियम के साथ ऐसा कर रहा है। न्यायिक अतिक्रमण भी देखने को मिला है जहां भारत और न्यूजीलैंड में अदालतों ने कई कंटेंट को ब्लॉक करने का आदेश दिया है। सरकारों, प्लेटफॉर्म्स और उपयोगकर्ताओं के बीच शक्ति संतुलन में, समीकरण सरकार और प्लेटफॉर्म्स के बीच बदलता रहता है, जहां दोनों पक्षों की जवाबदेही की कमी के कारण उपयोगकर्ताओं के पास बहुत कम शक्ति होती है। उदाहरण के लिए, भारत में सरकार आईटी अधिनियम की धारा 69ए के तहत गुप्त रूप से सेंसरशिप का प्रयोग करती है, जिसके लिए वह केवल खुद जवाबदेह है।

जिस तरह हम प्लेटफॉर्म्स को बहुत अधिक शक्ति देने का जोखिम नहीं उठा सकते, उसी तरह हम सरकारों को भी उन पर बहुत अधिक शक्ति नहीं दे सकते। हमें अपने भाषण के वाहकों को भाषण के प्रवर्तक के रूप में संरक्षित करने की आवश्यकता है, लेकिन हमें उनके एकतरफा कार्रवाइयों से भी सुरक्षा की आवश्यकता है।

यह विशेष रूप से अमेरिका में मुश्किल हो जाता है, जहां सुप्रीम कोर्ट ने प्लेटफॉर्म की कंटेंट को मॉडरेट करने और प्राथमिकता देने की क्षमता को नियमित करने के प्रयासों का विरोध किया है और कहा है कि इन कार्रवाइयों को बोलने की आजादी के प्रयोग के रूप में संरक्षित किया जा सकता है।

इस समस्या का कोई एक या व्यापक समाधान नहीं है। जैसे-जैसे सरकारों और प्लेटफॉर्म्स के बीच शक्ति संतुलन बदलता रहेगा, अलग-अलग तरह के नतीजे सामने आएंगे और दोनों ओर से सोचे-समझे काम किए जाएंगे। उपयोगकर्ताओं को सशक्त बनाने और उनके पक्ष में पावर बैलेंस को झुकाने के लिए, हमें उन लोगों को रेगुलेट करने की जरूरत है जिनके पास पावर है। वैश्विक स्तर पर सिद्धांतों की स्थापना से न्यायिक अतिक्रमण को दूर करने और अदालतों के फैसलों को सुरक्षित करने में मदद मिल सकती है। प्लेटफॉर्म्स पर अभिव्यक्ति को रेगुलेट करने के लिए पारदर्शिता और जवाबदेही में निहित एक नियम-आधारित और स्पष्ट नजरिए की जरूरत है, ताकि प्लेटफॉर्म्स और सरकारों दोनों की जिम्मेदारी और जवाबदेही के बीच की खाई को पाटा जा सके। ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स पर अरबों उपयोगकर्ताओं को देखते हुए, बोलने की आजादी के लिए हमारे सामने और भी चुनौतियां आएंगी, हमें यह सुनिश्चित करने की आवश्यकता है कि इनका उपयोग कानूनी भाषण और हमारी गोपनीयता को कमजोर करने के लिए न हो।

साइबर एंड फॉरेंसिक लॉ एक्सपर्ट मोनाली कृष्ण गुहा बताती हैं कि एंड टू एंड एनक्रिप्शन, खुद का नया फोन नंबर बनाकर इस्तेमाल करने की स्वतंत्रता,अपनी पहचान एवं लोकेशन छिपाने की सुविधा की वजह से टेलीग्राम का इस्तेमाल ड्रग डीलर्स, ऑर्म्स डीलर और आतंकी करते हैं। वहीं पीपल नियर बाय मी के द्वारा आपराधिक गतिविधियों में शामिल तस्करों की लोकेशन देखकर उनसे मिलना आसान होता है। टेंप बोट्स के फीचर्स के कारण टेंपररी ईमेल जनरेट करके सुरक्षित कम्युनिकेशन एक अन्य कारण है। वॉयसी बॉट के माध्यम से स्पीच टू टेक्स्ट फीचर के स्तेमाल से बोल कर टाइपिंग की सुविधा साथ ही अन्य ऐसे कई बॉट हैं जो फोटो से बैकग्राउंड रिमूव कर देते हैं जिससे खुफिया संदेश पहुंचाने और तस्करी में अपनी एवं आसपास की लोकेशन की पहचान छिपाने में मदद मिलती है।

संक्रमणः संकट सिर्फ एमपॉक्स का नहीं... एक बार फिर स्वास्थ्य संकट के केंद्र बन सकते हैं संघर्ष वाले क्षेत्र

एमपॉक्स संक्रमण से जूझ रहे लोगों का पता लगाना आसान नहीं है। डर और कलंक के कारण मरीज लक्षण दिखने के तुरंत बाद चिकित्सा सहायता नहीं लेते हैं। इसके प्रमुख लक्षणों में दर्दनाक दाने, बुखार, मांसपेशियों में दर्द और गले में खराश शामिल हैं। गलत सूचना तेजी से फैल रही है। डॉक्टर और अन्य स्वास्थ्य सेवा कर्मी न केवल बीमारी से लड़ने के लिए संघर्ष कर रहे हैं, बल्कि वे उन बड़ी समस्याओं से भी जूझ रहे हैं, जिन पर उनका बहुत कम नियंत्रण है। एमपॉक्स के फिर से उभार ने दुनिया को याद दिलाया है कि यह बीमारी व्यक्तिगत और सामुदायिक स्वास्थ्य के लिए कितनी खतरनाक है। लेकिन ऐसे संकटों को बढ़ाने वाले कारकों पर कम ध्यान दिया गया है, खासकर अफ्रीका में। कई अफ्रीकी देशों की व्यापक सामाजिक-राजनीतिक और आर्थिक चुनौतियों के कारण ये और भी बदतर हो गए हैं, जिससे ऐसी कमजोरियां उजागर हुई हैं, जो सार्वजनिक स्वास्थ्य से आगे तक फैली हुई हैं। लोकतांत्रिक गणराज्य कांगो ने हैजा, इबोला और कोविड-19 जैसे प्रकोपों का सामना किया है। अब यह अफ्रीका में फैले एमपॉक्स प्रकोप के केंद्र में है। इस साल कांगो में 17,000 से ज्यादा मामले और 500 से ज्यादा मौतें दर्ज की गई हैं, जो कि महाद्वीप में सबसे ज्यादा मामले और मौतें हैं। ये क्षेत्र, जो पहले से ही संघर्ष, विस्थापन और स्वास्थ्य ढांचे के पतन से जूझ रहे हैं, व्यापक और घातक एमपॉक्स प्रकोप का अतिरिक्त तनाव झेल रहे हैं। नए एमपॉक्स स्ट्रेन के उभरने से यह चुनौती और जटिल हो गई है। कोई भी शारीरिक संपर्क वायरस के संचरण का कारण बन सकता है। यानी सशस्त्र संघर्ष से विस्थापित हुए सैकड़ों हजारों लोगों के भीड़-भाड़ वाले शिविर बड़े पैमाने पर बीमारी फैलने के संभावित केंद्र हैं। ये विस्थापित परिवार संघर्ष के आघात से जूझ रहे हैं, और अब उन्हें बीमारी से भी निपटना होगा। पूरे देश में स्वास्थ्य सेवाकर्मी, जो एमपॉक्स के खिलाफ संघर्ष में अग्रिम पंक्ति के रक्षक हैं,

सीमित संसाधनों के साथ देखभाल प्रदान करने के लिए जूझ रहे हैं। सशस्त्र विद्रोहियों और देश की सेना के बीच युद्ध ने बुनियादी ढांचे को नष्ट कर दिया है और आवश्यक सेवाओं तक पहुंच को गंभीर रूप से प्रभावित किया है। विस्थापन और मानवाधिकार उल्लंघन से त्रस्त दक्षिण किवु में स्थिति विशेष रूप से गंभीर है। एमपॉक्स विशेष रूप से छोटे बच्चों के लिए खतरनाक है। कांगो में पांच वर्ष से कम आयु के 11 लाख से अधिक बच्चे और लगभग 6,05,000 गर्भवती या स्तनपान कराने वाली महिलाएं जुलाई 2023 और जून 2024 के बीच तीव्र कुपोषण के उच्च स्तर का सामना कर रही हैं। कई लोगों को संक्रमण से लड़ने के लिए अपनी प्रतिरक्षा प्रणाली पर निर्भर रहना पड़ता है। जब तक इन आबादियों को परेशान करने वाली सामाजिक, राजनीतिक और आर्थिक समस्याओं का समाधान नहीं किया जाता, तब तक एमपॉक्स इस क्षेत्र से खत्म नहीं होगा। हालांकि विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) और अफ्रीका की सीडीसी ने एमपॉक्स को सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातकाल घोषित किया है, लेकिन अब तक किए गए उपाय महाद्वीप में इतने बड़े संकट को संबोधित करने के लिए अपर्याप्त हैं। एमपॉक्स वैक्सीन का वितरण असमान रहा है। टीकों की उच्च लागत बीमारी की रोकथाम के प्रयासों को और बाधित कर सकती है, खासकर दक्षिण किवु में, जहां इसकी सबसे अधिक जरूरत है। डब्ल्यूएचओ ने यूनिसेफ और वैश्विक वैक्सीन गठबंधन गावी जैसे अपने भागीदारों को डब्ल्यूएचओ द्वारा औपचारिक रूप से स्वीकृति दिए जाने से पहले एमपॉक्स टीके खरीदने की अनुमति दी है, यह सही दिशा में उठाया गया कदम है। एमपॉक्स प्रकोप के सबक स्पष्ट हैं-व्यापक सामाजिक संदर्भ को संबोधित किए बिना स्वास्थ्य संकटों को प्रभावी ढंग से प्रबंधित नहीं किया जा सकता है। दुनिया को यह पहचानना चाहिए कि कांगो जैसे स्थानों में, जहां संघर्ष और बीमारी एक-दूसरे से जुड़ी हुई हैं, सार्वजनिक स्वास्थ्य हस्तक्षेपों को संघर्ष को हल करने, समुदायों के पुनर्निर्माण और प्रभावित लोगों की गरिमा को बहाल करने के प्रयासों के साथ जोड़ा जाना चाहिए। इस तरह की एक-दूसरे से जुड़ी प्रतिक्रिया के अभाव में संघर्ष वाले क्षेत्र एक बार फिर स्वास्थ्य संकट के केंद्र बन सकते हैं।

अटेर क्षेत्र की जनता की समस्याओं के निदान के लिए गाँव गाँव जाकर लगाएंगे चौपाल

आपका बेटा, आपके द्वार, ग्रामीणों की समस्याओ का यही बैठकर करेंगे निराकरण - श्री कटारे

आदित्य द्विवेदी । सिटी चीफ
भिण्ड, विधानसभा में उपनेता प्रतिपक्ष एवं अटेर विधायक हेमन्त कटारे दो दिवसीय क्षेत्र के दौरे पर रहेंगे । उन्होंने आज क्षेत्र के 10 गाँवों में जाकर ग्रामीणों के बीच चौपाल लगाकर ग्रामीणों की समस्याओं को सुना एवं उनके निराकरण के लिए तुरंत सम्बंधित अधिकारियों को निर्देशित किया। श्री कटारे आज अपने विधानसभा क्षेत्र के केनरा,पचौरियन का पुरा,शुक्लपुरा,बढ़पुरा,बढ़पुरी, निवारी, सारूपुरा,विजयगढ़, पिथनपुरा, ऐंतहार गाँवों में जाकर ग्रामीणों की समस्याओं को सुनकर उनके निदान के लिए सम्बंधित अधिकारियों को तुरंत निर्देशित किया। श्री कटारे ने कहा कि अटेर क्षेत्र मेरा राजनीतिक क्षेत्र नही है,अपितु मेरा परिवार है, अगर परिवार में किसी भी व्यक्ति पर कोई कष्ट आएगा तो हम एवं हमारा परिवार सदैव अटेर की जनता के बीच खड़ा मिलेगा। श्री कटारे ने ग्रामीणों की समस्याओं के लिए कई जगह विकास कार्य हेतु अपने विधायक निधि से काम कराने के लिए भी बोला उन्होंने कहा हम इसीलिए आपके बीच में आये है,कि आपकी सार्वजनिक समस्याओं को हम आप सबके बीच बैठकर निपटारा कर सकें विधायक निधि सिर्फ आपके लिए है,इस पर न तो हमारे यहाँ कोई टैक्स लगता है और न कोई कमीशन खोरी होती है,जो भी होगा आपके बीच आकर आप जैसे कहेंगे वैसे खर्च ही खर्च किया जाएगा । उपनेता हेमंत कटारे आज 2 सितंबर को निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 10 बजे शांकरी,10 ़30 बहारय पुरा,11 बजे भदाकुर,12 ़ 30 बजे दीनपुरा खोड़, 1 ़30 खुर्द, 2़30 महापुर,3़ 30 बरोही,05 बजे गडुपुरा चौपाल में जनसमस्याओं को सुनेंगे।

भिण्ड में भारतीय मजदूर संघ की बैठक हुई आयोजित

सिंह भदौरिया जिलाध्यक्ष पेंशन संघ,वीरेंद्र कुमार शर्मा जिला सचिव पेंशन संघ , वीरेंद्र सिंह यादव जिला कोषाध्यक्ष पेंशन संघ , रणवीर सिंह भदौरिया जिलाध्यक्ष कृ.वि.अधि.संघ,अशोक कुमार शर्मा जिला सचिव कृ.वि.अधि.संघ,एवं एक सैकड़ा से अधिक कार्यकर्ता विशेष रूप से उपस्थित रहे।

आदित्य द्विवेदी । सिटी चीफ
भिंड, भारतीय मजदूर संघ कार्यालय जनक पैलेस ग्वालियर रोड भिण्ड पर भारतीय मजदूर संघ की बैठक आयोजित की गई। जिसमे सर्व प्रथम भगवान विश्वकर्मा जी एवं भारत माता व राष्ट्र पुरुष दंतोपंत जी हेगड़े की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंग हुआ ! ततपश्चात श्रमगीत अभिषेक सिंह परमार ने प्रस्तुत किया। आज के कार्यक्रम की अध्यक्षता सुरेश जी बादल ने की ! मुख्यवक्ता राम?शरण पुरोहित जिला संघचालक राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ भिण्ड का बौद्धिक प्राप्त हुआ। मुरैना विभाग से पधारे संघ के विभाग प्रमुख माननीय बृजराज जी दंडौतिया द्वारा भारतीय मजदूर संघ की जिला कार्यकारिणी का सर्व सम्मति से प्राप्त पैनल का अध्यक्ष महोदय की अनुमति से वाचन किया। संघ सभा ने सर्वसम्मति से भारत माता की जय बोलकर कार्यकारिणी का अनुमोदन किया। कार्यकारिणी में सर्व प्रथम जिलाध्यक्ष अभिषेक सिंह परमार एवं जिलामंत्री प्रवेन्द्र शर्मा, वहीं कोषाध्यक्ष के रूप में देवेंद्र बुधोलिया को संघ की सर्व सम्मति से अनुमोदन प्राप्त हुआ। उक्त कार्यक्रम में राघवेंद्र सिंह कुशवाह जिलाअध्यक्ष म.प्र.राज्य कर्मचारी संघ, सत्यनारायण सोनी जिला सचिव म.प्र.राज्य कर्मचारी संघ,अवधेश शर्मा जिला कोषाध्यक्ष म.प्र.राज्य कर्मचारी संघ, कुसुम परमार जिला उपाध्यक्ष म.प्र.राज्य कर्मचारी संघ, नरेन्द्र

नव निर्वाचित जिला कार्यकारिणी निम्न प्रकार है -

जिलाअध्यक्ष - अभिषेक सिंह परमार
उपाध्यक्ष - प्रदीप कुमार शर्मा
उपाध्यक्ष - लक्ष्मी तोमर
उपाध्यक्ष - बृजेन्द्र सिंह भदौरिया
जिला मंत्री - प्रवेन्द्र शर्मा
सहमंत्री - अनुरुद्ध सिंह सेंगर
सहमंत्री - अरुण सिंह भदौरिया
सहमंत्री - संजीव सिंह गुर्जर
सहमंत्री - रिश्मा भदौरिया
कोषाध्यक्ष - देवेन्द्र कुमार बुधौलिया
कार्यालय मंत्री - अंकित बादल
विधि सलाहकार - शिवम सिंह राजावत

40 किलोमीटर तक नहीं छोड़ा चोर का पीछा

पकड़े जाने के डर से पिकअप छोड़कर भागे चोर, एक गिरफ्तार

मोहम्मद मुनीर । सिटी चीफ
ब्योहारी, थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम साखी निवासी ज्ञानेन्द्र कुमार बैस 27 वर्ष पिता चन्द्रमणि बैस की पिकअप वाहन क्रमांक एमपी 52 जी 0145 सभापति बैस के घर के सामने खड़ी थी। बीती रात 10 बजे स्टार्ट होने की आवाज आने पर वे घर से बाहर निकले तो देखा कि कोई अज्ञात व्यक्ति उनका वाहन लेकर जा रहा है। इसके बाद वाहन मालिक ने अपनी मोटरसाइकल से चोरों का पीछा करना शुरू कर दिया। साथ ही अपने साथियों को फोन कर घटनाक्रम बताया। इसके बाद पिकअप मालिक के कुछ साथी भी एक बोलेरो वाहन से चोरों के पीछे उन्हें पकड़ने निकल पड़े। मामले में मिली जानकारी के मुताबिक 40 किलोमीटर तक चोरों का पीछा करने के बाद जब चोर भी घबरा गए कि अब वे पकड़े जाएंगे। इसके बाद सीधी जिले के चमराडोल बैरियर के आगे रास्ते में चोरी किया गया पिकअप वाहन छोड़कर भाग गए। जबकि भागते समय एक चोर को वाहन मालिक व उसके साथियों ने दबोच लिया। जिसके बाद उक्त आरोपी को पकड़कर अपने साथ ब्योहारी थाना लेकर आए और मामला दर्ज कराया। जिस पर पुलिस ने उक्त पकड़े गए आरोपी संकर्षण कोरी निवासी ब्यौहारी समेत उसके पांच अन्य साथियों के विरुद्ध प्रकरण दर्ज कर शेष आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।

छात्रा की साइकिल रेलवे ट्रैक पर फंसी ट्रेन की चपेट में आने से हुई छात्रा की मौत

गौरव सिंघल ।सिटी चीफ
सरसावा । सहारनपुर, ग्राम पिलखनी में इंडस्ट्रियल एरिया के समीप स्कूल जा रही छात्रा की साइकिल रेलवे ट्रैक पर फंस गई। फंसी साइकिल को निकालने के दौरान छात्रा का ध्यान ट्रेन पर नहीं गया और वो ट्रेन की चपेट में आ गई। जिससे उसकी मौत हो गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार चिलकाना थाना क्षेत्र के ग्राम निरपालपुर डूमावाला की चेतना उर्फ चांदनी (15) पुत्री नरेश ग्राम पिलखनी के समीप स्थित ब्राह्मण माजरा में जनता इंटर कॉलेज में कक्षा 9 की छात्रा थी। वह साइकिल से विद्यालय जा रही थी। रेलवे लाइन क्रॉस करने के लिए पुल बना हुआ है, लेकिन जल्दबाजी में बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं और लोग रोजाना रेलवे लाइन क्रॉस करके आते-जाते हैं। छात्रा भी रेलवे लाइन क्रॉस कर रही थी कि उसकी साइकिल का पैडल रेलवे ट्रैक में फंस गया। छात्रा फंसी साइकिल को निकालने लगी, उसे सहारनपुर की ओर से आ रही भागलपुर-जम्मू तवी एक्सप्रेस का हॉर्न भी नहीं सुना। वह ट्रेन की चपेट में आ गई। जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। साथी छात्राओं ने फोन किया तो परिजन मौके पर पहुंचे। बिना किसी कार्रवाई के शव को अपने साथ ले गए।

प्रभारी मंत्री को निराश्रित गौ वंश की समस्या बताई

भिण्ड में चम्बल गौ अभ्यारण्य स्थापित हो - डॉ रमेश दुबे

आदित्य द्विवेदी । सिटी चीफ
भिंड, मध्यप्रदेश सरकार की कैबिनेट में पंचायत एवम ग्रामीण विकास विभाग एवम भिण्ड जिले के प्रभारी मंत्री श्री प्रहलाद पटेल का गत दिवस भिण्ड में प्रथम नगर आगमन हुआ,जिसके दौरान उनका जगह जगह भव्य स्वागत हुआ.उन्होंने कई महत्वपूर्ण कार्यक्रमों में भाग लिया।इसी क्रम में 29 अगस्त को होटल ईपीरियल में उन्होंने भिंड जिले के वरिष्ठ भाजपा नेताओं से भी विशेष मुलाकात की इस दौरान भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य डॉ रमेश दुबे ने भिण्ड जिले में एक चम्बल गौ अभ्यारण्य स्थापित करने का आग्रह किया।। डॉ दुबे ने मंत्री महोदय को पिछले दिनों गौ वंश के लावारिस सड़कों पर घूमने से सड़क दुर्घटनाओं में उनकी लगातार हो रही मौतों के बारे में जानकारी देते हुए उक्त आग्रह किया।।उन्होंने बताया कि चम्बल गौ अभ्यारण्य बनने से गौ वंश की जान बचेगी ,जन हानि और खेती का बचाव होगा जिससे किसानों को भी लाभ होगा। डॉ रमेश दुबे ने उक्त आशय की जानकारी देते हुए बताया कि मंत्री श्री पटेल ने भिंड ग्वालियर इटावा रोड पर और भिंड से ऊमरी होकर लहार रोड पर और अन्य अंदरूनी सड़क मार्गों पर लावारिस गौ वंश के सड़कों पर बैठ जाने और घूमने से हो रहीं दुर्घटनाओं को ध्यान पूर्वक सुना ।पिछले दिनों भिण्ड ग्वालियर मुख्य मार्ग पर और इटावा मार्ग लहार मार्ग कई गौ वंश के मरने की बात बताई और बताया कि दुर्घटनाओं में लोग मरे भी है और घायल भी हुए हैं।इसके अलावा डॉ रमेश दुबे ने कैबिनेट मंत्री श्री पटेल को बताया कि लावारिस गौ वंश और अन्य पशुओं की बहुत बड़ी संख्या सड़को पर जाम तो लगवा ही देती है वो लावारिस पशु किसानों की खेतों खड़ी लहलहाती फसलों को भी अपने भोजन के लिए नष्ट कर देते हैं जिससे पूरे भिण्ड जिले की शहरी ग्रामीण जनता के साथ किसान भी बहुत परेशान है और संकट का सामना कर रहा है।इसलिए भिण्ड जिले में गौ वंश का संरक्षण हो उनका पालन पोषण हो उनकी जान बचे वो नष्ट न हों और आए दिन हो रही सड़क दुर्घटनाओं से आम लोगो को मुक्ति मिल सके उसके लिए चंबल गौ अभ्यारण्य की स्थापना अति शीघ्र की जाए।।कैबिनेट मंत्री श्री पटेल ने समस्या को समझकर उसके शीघ्र समाधान के लिए चम्बल गौ अभ्यारण्य के संबंध में डॉ रमेश दुबे कोआत शीघ्र कार्यवाही करने का आश्वासन दिया।इस अवसर पर जिलाध्यक्ष देवेंद्र सिंह नरवरिया,प्रदेश के मंत्री राकेश शुक्ला,सांसद संध्या राय,विधायक नरेंद्र सिंह,अमरीश शर्मा केशव सिंह,अवधेश सिंह,राजे शर्मा,वीरेंद्र राना,नाथू सिंह गुर्जर,संजीव कांकर, कृष्ण कांता तोमर,शैलेंद्र सिंह,शिव शंकर समाधियां,मनोज अनंत,धीर सिंह,कमल शर्मा,माया राम शर्मा... आदि मुख्य रूप से उपस्थित थे।

मैं पुलिस कि कार्यप्रणाली को काफी हद तक समझती हूं-श्रीमती अनुभा

आगामी त्यौहारों को लेकर थाने में आयोजित हुई शांति समिति कि बैठक

लाकेश पंचेश्वर । सिटी चीफ
लालबर्रा, पुलिस अधिकारियों के दिशा निर्देशन पर पुलिस थाना लालबर्रा में 1 सितंबर को दोपहर 12 बजे से शांति समीति कि बैठक आहूत हुई जिसमें मुख्य रूप से श्रीमती अनुभा मुंजारे विधायक बालाघाट,सजंय बारासकर तहसीलदार लालबर्रा,श्री अनीश खान सरपंच पांढ़रवानी व विधायक प्रतिनिधि जिला पंचायत बालाघाट,श्री झामसिंह नागेश्वर जिला पंचायत सदस्य, किशोर पालीवाल जनपद पंचायत उपाध्यक्ष,अधि.श्री आनंद बिसेन सरपंच कजई,कन्हैया चौहान भाजपा मंडल अध्यक्ष खमरिया, हेमंत नायक थाना प्रभारी लालबर्रा सहित अन्य लोगों कि उपस्थिति में बैठक प्रारंभ हुई जिसमें उपस्थित सभी लोगों से आगामी त्यौहारों को लेकर विचार-विमर्श किया गया जिसमें किसानों का पोला पर्व,नारबोद, फुलेरा, गणेश चतुर्थी प्रतिमा स्थापना से लेकर विसर्जन तक,ईद सहित अन्य त्यौहार शामिल रहे जिसको लेकर उपस्थित लोगों ने अपने अपने सुझाव दिए तथा थाना प्रभारी ने सुझाव को अमल पर लाने कि बात कही वहीं उपस्थितों ने शहर कि यातायात व्यवस्था को लेकर भी अपनी बात रखी गई है। वहीं शांति समिति कि बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में पहुंची बालाघाट विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे ने अपने उद्बोधन में कहा कि पुलिस प्रशासन और जनता यह एक ऐसा रिश्ता है जब तक हम आपस में मिलेंगे नहीं सामंजस्य बढ़ाएंगे नहीं तब तक हम ना अपने अधिकारों को प्राप्त कर पाएंगे ना कानून को समझ पाएंगे ना कानून कि रक्षा कर पाएंगे और ना ही कानून के अधिकारों को प्राप्त कर पाएंगे इसलिए बहुत जरूरी है कि हम आपस में सामंजस्य बैठाके काम करें और जहां तक मेरी बात है आप लोग मुझे जानते हैं मैं खुद एक थानेदार की बेटी हूं मेरे पिताजी पुलिस अधिकारी थे और थाने में ही खेलते कूदते बड़ी हुई मै पुलिस विभाग से मेरा बहुत गहरा नाता रहा है बचपन से आज तक ही है इसलिए मैं पुलिस की कार्य प्रणाली को काफी हद तक समझती हूं कहीं जब कुछ गलत होता है तब बोलती हूं लेकिन कभी-कभी अधिकारी लोग भी दिक्कतों में आ जाते हैं हमको ऐसा लगता है कि हमरे साथ गलत कर रहे हैं क्योंकि वह अपने नियमों में बंधे रहते हैं पर हम अपेक्षा यही करते हैं कि न्याय संगत कार्रवाई हो और किसी भी की निज्अपराध व्यक्ति पर कभी कोई ऐसा कानूनी पचड़ा पड़े सहित अन्य और बातें श्रीमती मुंजारे द्वारा अपने उद्बोधन दौरान कही गई है। वहीं थाना प्रभारी श्री हेमन्त नायक ने उपस्थित लोगों से सहयोग कि बात करते हुए कहे कि हमारा हर बार यह प्रयास रहता है कि त्यौहार के पहले ऐसी व्यवस्था बन जाए कि सभी त्यौहार शांति रूप से हो सके सबके त्यौहार की एक गरिमा होती है उनकी गरिमा बनी रहे और हम उनको समुचित व्यवस्थाएं पुलिस प्रशासन के ओर से होना है प्रशासन के तरफ से होना है और दूसरी जो एजेंसी है ग्राम पंचायत है जनपद पंचायत है सभी लोग समय-समय पर सुविधाएं उपलब्ध करवाते हैं और लालबर्रा की परंपराएं भी रही है हमेशा यहां शांति रूप से हर त्यौहार होते हैं किसी भी समुदाय के हो जहां तक हम मानते है थानेदार हम बाद में हैं पहले नगर के एक नागरिक हैं तब हम इस थाने को चला पाएंगे और नगर के लोगों से रूबरू हो पाएंगे हम तो इंटरेस्ट होते रहते हैं गांव के सभी लोगों से बात करते रहते हैं यह बात भी सही है पहले भी हमने यह बताया है हम कुछ नहीं कर सकते भले ही इस सीट पर बैठे हैं हम तभी सब कुछ है जब आप लोग हमारे साथ हैं क्योंकि आप लोगों के साथ हजारों लोगों की भावनाएं आपके साथ है सहित अन्य और भी बातें श्री नायक द्वारा कही गई जिसका सभी लोगों ने समर्थन किया है। वहीं इस दौरान विरेन्द्र बनवाले सरपंच ग्राम पंचायत पनबिहरी, दिलीप टेम्भरे सरपंच प्रतिनिधि, श्रीमती पुष्पा नागेश्वर सरपंच ग्राम पंचायत बकोड़ा,श्री बी आर ढबाले सरपंच ग्राम पंचायत बम्हनी, हेमंत कटरे सरपंच ग्राम पंचायत गणेशपुर,सेवन कटेकर सरपंच बल्हारपुर,बालकृष्ण पंचेश्वर जनपद सदस्य प्रतिनिधि, सजंय अग्रवाल, शैलेष केकती विधायक प्रतिनिधि,गिरीश पाठक, नितिन साखला, प्रशांत जैन, अफसर कुरैशी, अय्युब भारती,नईम रंगरेज, सहित अन्य और भी लोग उपस्थित रहे हैं।

शहडोल के जयसिंह नगर में बरपा आसमानी कहर

आकाशीय बिजली गिरने से दो की मौत

मोहम्मद मुनीर । सिटी चीफ शहडोल, तेज बारिश के साथ आकाशीय बिजली गिर गई जिसकी चपेट में आने से दो लोगों की मौत हो गई है, घटना जयसिंहनगर थाना क्षेत्र के दो अलग-अलग स्थानों में हुई । पुलिस ने दोनों ही मामलों पर मर्ग कायम कर विवेचना शुरू कर दी है,पोस्टमार्टम के लिए दोनों शवो को अस्पताल लाकर पीएम कराने के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया है। जानकारी के अनुसार पहली घटना जयसिंहनगर थाना क्षेत्र के बैरिहा गांव में हुई जहा 28 वर्षीय महिला मीना नापित मवेशियों के लिए चारा काटने जंगल की ओर गई थी, तभी तेज बारिश हुई और आसमान में गड़गड़हट शुरू हो गई, बारिश से बचने के लिए महिला वहां से दौड़ी और कुछ ही दूर स्थित एक महुआ के पेड़ के नीची जा कर खड़ी हो गई। तभी आकाशीय बिजली महुआ के पेड़ के समीप गिर गई, जिसकी चपेट में आने से महिला की मौके पर ही मौत हो गई। जंगल में और भी लोग मौजूद थे लेकिन महिला से काफी दूर थे, बिजली गिरने के बाद जंगल में अन्य मौजूद लोग घटनास्थल पहुंचे जहां महिला मृत अवस्था में पड़ी हुई थी जिसके बाद जानकारी पुलिस को दी गई पुलिस मौके पर पहुंची और शव को अपने कब्जे में लेकर कारवाई शुरू कर दी इसी प्रकार दूसरी घटना जयसिंहनगर थाना क्षेत्र के मसियार गांव में घटी है, पुलिस ने बताया कि अधेड़ शोभनाथ तालाब में पाले हुए हैं और वह उसकी तकवारी कर रहा था तभी तेज बारिश के साथ आकाशीय बिजली गिरी जिसकी चपेट में अधेड़ आ गया और मौके पर ही उसकी मौत हो गई, घटना की जानकारी गांव के लोगों ने पुलिस को दी थी जानकारी लगने के बाद पुलिस घटनास्थल पहुंची और पंचनामा कार्यवाही कर विवेचना शुरू की।

प्रतिक्रिया..
दो लोगों की आकाशीय बिजली की चपेट में आने से मौत हुई है। पुलिस मौके पर पहुंची और पंचमामा कर दोनों शवो का पीएम कराया गया है। पीएम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया है मामले पर मर्ग कायम कर विवेचना की जा रही है।- **सत्येंद्र चतुर्वेदी, थाना प्रभारी , थाना जयसिंहनगर**

रेत, ड्रग्स, कबाड़, कोयला, प्रशासनिक छूट, खुलेआम लूट, माफिया का बोलबाला

दहशतगर्दी : उत्खनन रोका और की निगरानी तो उतार देते है मौत के घाट

मोहम्मद मुनीर । सिटी चीफ । शहडोल, जिले में नासूर बना माफ़ियाराज के चलते एक तरफ जहां मध्यप्रदेश के करोडो रूपए के शासकीय खनिज राजस्व की क्षति पहुंच रही है वही रेत टेका कंपनी भी कही न कही रेत माफियाओ के दबाव में काम करने मजबूर है, नाम ना छापने की शर्त पर खनिज कारोबारी का कहना है की शहडोल में नेता मंत्री ही माफिया को बढ़ावा देने का काम करते है, तभी तो बंगाल, दिल्ली और शहडोल छोड़कर हर जगह हुआ बलात्कार, मर्डर, के लिए शहडोल में लंबी लम्बी कतारे हाँथ में मोमबत्ती लेकर कलेक्ट्रेट से गाँधी चौक में जिंदाबाद मुर्दाबाद के नारे बुलंद करते नज़र आते है लेकिन शहडोल आज नेतृत्व विहीन इलाका है जिसके चलते पटवारी के बेबस परिवार को शहडोल में नेता मंत्री का कोई सहारा नहीं मिला, इतना ही नहीं पटवारी की हत्या के बाद देवलोंद और ब्यौहारी की कमान थामे एसडीओपी तक नहीं बदला गया, वायरल ऑडियो के बाद संबंधितो को रत्ती भर जाँच की आंच नहीं आई। और प्रशासन उस इलाके से अवैध खनन को रोकने की बात करता है लेकिन बदमाशों का आतंक पुलिसिया तंत्र पर हावी है। ऐसा नहीं है कि शहडोल में पहले माफियाओ ने सर नहीं उठाया। लेकिन जब भी नागरिको की सुरक्षा पर बन आयी है तो पुलिसिया तंत्र ने हर उस माफिया के फ़न कुचला है जिसने भी कानून का मज़ाक बांया लेकिन बीते एक वर्षो में जिले की कानून व्यवस्था माफियाओ पर कार्यवाही का माद्दा जुटा नहीं पा रही है।

कई वाहनों में सवार होकर पहुंचे हमलावर– पुलिस ने बताया सुखाड़ रेत चेक पोस्ट पर रात करीब 12 बजे तीन चार वाहनों में सवार होकर करीब 30-35 हमलावर पहुंचे और लाठी डंडे से मारपीट करने लगे। इस दौरान रेत ठेका कंपनी के कर्मचारी व हमलावर दोनों के बीच मारपीट हुई। जिसमें महेन्द्र सिंह 29 वर्ष, जितेन्द्र सिंह 36 वर्ष, रावेन्द्र तिवारी 45 वर्ष, सचिन सिंह 38 वर्ष व जितेन्द्र सिंह 35 वर्ष को गंभीर चोट आई है। जिनका उपचार मेडिकल कॉलेज में जारी है। घटना की जानकारी लगते ही पुलिस मौके पर पहुंचकर विवेचना में जुट गई है। कर्मचारियों ने शिकायत में आरोप लगाया है कि आरोपियों ने फायरिंग भी की और नकदी 5 हजार लूट ले गए।

माफिया के खिलाफ खोला मोर्चा – माफिया के खिलाफ बोलना इस जिले में अपराध है इसका जीता जगता उदहारण थानों में माफियाओ के खिलाफ दम तोड़ती शिकायते है जिसके चलते ही कभी न कहीं बल मिलता है और फरियादी माफिया के बाहुबल का शिकार होता है, शहर में ऐसे कई उदाहरण है जिसमे अन्याय हुआ खुली आँखों से सबने देखा और फरयादी के मौत के बाद अथवा किसी अप्रिय घटना के बाद जागती पुलिस मर्ग कायम करने में रूचि रखती है, माफियाओ के खिलाफ लगातार गोगपा से पुरुषोत्तम सिंह मरावी के नेतृत्व में रेत माफियाओ के विरुद्ध आवाज़ उठाई, लेकिन माफिया और प्रशासनिक गठजोड़ के चलते आवाज़ दबाने तरह तरह के षड्यंत्र रचे गए।

पटवारी की मौत बेबस परिजन – गौरतलब हो की शहडोल में एएसआई से पहले रेत माफियाओं ने एक पटवारी की हत्या कर दी थी। परिवार को आज तक न्याय नहीं मिला है। पटवारी की पत्नी गुंजा सिंह का दर्द तत्कालीन महिला कलेक्टर भी

नहीं समझ पाई, अब थक हार कर हाई कोर्ट की दहलीज में कलेक्टर के उस मौखिक आदेश की बात जोह रही है जिसके चलते अनुकम्पा नियुक्ति आर्थिक मदद में बाधा आ रही है, शर्म की बात की राजा विराट की विराट नगरी शहडोल में उनकी मदद की महज पच्चीस हजार रूपए की आर्थिक सहायता मिली जिसको मृतक पटवारी की पत्नी गुंजा सिंह ने शहडोल कलेक्टर के चेंबर में लौटा दिया था।

भूमाफिया पर मेहरबानी– शहडोल में दो पत्रकारों की जान का जोखिम है घर के सामने 15 - 20 हथियार बंद लोगो ने कालोनी में घुसकर पत्रकार की हत्या करने की नियत से चलती कार में रॉड स्टील पाइप इत्यादि से हमला किया कांच तोडा वारदात में सीसीटीवी सबूत सौपे गए लेकिन पुलिस बदमाशों से जिसने भेजा था व्हाट्सअप काल में फोटो देखते हुए जिन्दा मत छोड़ना कहा, उनके आकाओं का नाम पूछने में फेल हो गई, इतना ही नहीं पुलिस को आठ महीने मिले और माफियाओ को भी मौका मिला इस बीच पुलिस ने तो हाँथ खड़े कार दिए द्य कार्यवाही के नाम पर महज खाना पूर्ति की, लेकिन भूमाफिया पर खबर करना पत्रकार को इतना महंगा पड़ा की आये दिन जान से मरने की कोशिश कार रहा है, हालही ही में कोतवाली थाना के लगभग 100 मीटर में है पत्रकार की कार के ठीक सामने लाल रंग की थार लगाकर रोक लिया उसमें बैठे बेख़ौफ़ भूमाफिया अभिषेक मिश्रा एवं रिश्वतखोरी में ट्रेप हुआ शुभम श्रीवास्तव ने जान से मरने को राइफल निकली उस दिन भबि बामुश्किल जान बचाकर कोतवाली की शरण ली वहा ड्यूटी में पदस्थ कामता पयासी ने पूरी वारदात को सुनने के बाद हथियार सहित रंगे हाँथ माफियाओ को गिरफ्तार करने की बजाए 3 घंटे से ज्यादा का समय उनको दे दिया। पत्रकार की शिकायत पर एफआईआर तक नहीं लिख। आश्चर्य इस बात का है की कोतवाली पुलिस आज तक लंबित कार्यवाही माफियाओ के इशारे पर होल्ड कार राखी गई है जबकि घटनाक्रम के मौका स्थल में आधादर्जन घरो में लगे सीसीटीवी कैमरे में वारदात कैद है लेकिन पुलिस पत्रकार के साथ लगातार हो रही घटनाक्रम की अनदेखी कर रही है।

यहाँ सक्रीय रेत माफिया– सोन घडियाल क्षेत्र में लंबे समय से रेत का अवैध खनन चल रहा है। प्रतिबंध के पहले ब्यौहारी व देवालोंद थाना क्षेत्र के सुखाड़, बोड्डिहा, मसीरा, गोपालपुर के कई स्थानों में रेत का अवैध भंडार कारोबारियों ने कर रखा है। जिसे अब आसपास के क्षेत्रों में महंगे दामों में खपा रहे हैं। रेत के भंडारण में कार्रवाई कर जब्त भी की गई थी। लेकिन आश्चर्य की बात यह भी है किअवैध रेत की जब्ती के बाद विभाग ने उन्हीं को सौंपा था। गौरतलब हो की पूर्व तत्कालीन कलेक्टर ने आदेश जारी किया था। जिसमें साफ लिखा था कि नाका पर स्टेट माइनिंग कार्पोरेशन द्वारा अपने पर्यवेक्षण नियंत्रण व निर्देशन में किया जाएगा। पारदर्शिता के लिए सभी तरह से नियंत्रण प्रभारी अधिकारी स्टेट माइनिंग के स्तर पर किया जाएगा। लेकिन यहाँ भी कायदे कानून की अनदेखी हुई।

लगातार चोरी और खप रहा ड्रग्स –जिले में बीते वर्ष एक चोरी जिसमे बंधक बनकर एक परिवार की गाढ़ी कमाई लूट ली गई थी, एमपीईबी कर्मचारी के घर, कल्याणपुर में चोर सीसीटीवी में कैद चोर पुलिस की फाइल में धूल फांक रहे है आज तक उनके गिरिबान तक पुलिस का न पहुंच पाना भी प्रशासनिक फैलियर है, उधर एक आंगनबाड़ी में देर रात ड्रग्स की खेप डंप होती है बीत प्रभारी को साफ़ तौर पर सब जानकारी है, कोतवाली में पदस्थ बीट प्रभारी की मुख्य भूमिका पर सवाल है पुरानी बस्ती और कल्याणपुर के बीच ड्रग्स का काला कारोबार में वो सभी ट्रेप हो सकते है जो चोरी की वारदात में सीसीटीवी में कैद है, लेकिन पुलिस जब सरगर्मी से तलाश करना शुरू करे तब लेकिन माना जा रहा है यहाँ भी पुलिस बड़े दबाव में काम करती है हालही में एक किसान के घर माफिया में गांजा रखवाया, फिर पुलिस ने शराब का केस बनाया और उल्टा गांजा का केश राजा नामक पर बनाना पड़ा यह मामले में पुलिस की सोशल मीडिया में अच्छी खशी किरकरी हुए थी।

अब तो मामले में नागरिको का कहना यह है की शहर की कानून व्यवस्था में सुधार नहीं हुआ तो शहर की जनता को सड़को में उतरना पड़ेगा। और अब तक मामला जो भी रहा हो शहडोल में माफिया का माद्दा खूनी खेल खेलने का तो नहीं रहा जो अब ट्रेंड चल पड़ा है स्थिति भयवाह होगी।

डिप्टी कलेक्टर तथा जिला प्रदूषण अधिकारी जेपी झा सतना के द्वारा मीडिया के समक्ष सभी बिंदुओं पर गहन विचार करते हुए जांच करवा कर उचित कार्यवाही करने का आश्वासन दिया गया

ग्राम बठिया में हुई जनसुनवाई में ग्रामीण व सरपंच खदान संचालित को लेकर किया जमकर विरोध

उमेश कुशवाहा । सिटी चीफ मैहर, मामला मध्य प्रदेश के मैहर जिले का है जहां पर ग्रामीण तथा सरपंच के द्वारा ग्राम बठिया गांव में कई माइंस उत्खनन खदानें कई वर्षों पूर्व से संचालित हैं जिससे ब्लास्टिंग कर नीचे के पत्थर को तोड़ा जाता है जिससे भारी ब्लास्टिंग के कारण खदानों के पास से लगे हुए सभी ग्राम वासियों को भारी मुश्किलों का सामना करना पड़ता है ब्लास्टिंग के कारण ग्राम वासियों के घर छतिग्रस्त हो ही रहे हैं साथ ही क्रेशर से निकलने वाले डस्ट धूल के चारों तरफ प्रचुर मात्रा में उड़ने से तथा अत्यधिक प्रदूषित वातावरण के कारण ग्राम वासियों का जीना अत्यधिक दूभर व मुश्किल हो रहा है ।ग्राम बठिया में अभिमन्यु सिंह मैहर की तीन खदानें पूर्व से संचालित हैं तथा अभिमन्यु के द्वारा अपने निजी लाभ के लिए चौथी माइंस खदान संचालित करने हेतु पूरी ताकत तथा दाव पेंच लगाकर जोरशोर से लगे हुए हैं। जिसको लेकर ग्रामीणों तथा सरपंच सहित सामूहिक सभी में भारी आक्रोश व्याप्त है एवं इसका पूरी तरह से विरोध किया जा रहा है। सामूहिक तौर से और शासन प्रशासन से

गुहार लगा कर अपनी मांग कर रहे हैं कि यहां माइंस संचालित अब ना हो इसे शीघ्र बंद किया जाए। ग्राम बठिया में हुई जनसुनवाई को खदान मालिक अभिमन्यु सिंह की राजनीतिक चाल बताते हुए सभी ग्रामवासीयों एवं सरपंच की ओर से कहा गया कि हमें जनसुनवाई से संबंधित पूर्व में कोई सूचना या किसी तरह की जानकारी नहीं दी गई। फिर भी शासन प्रशासन के नियमों का सम्मान करते हुए ग्रामीण एवं सरपंच के द्वारा यह जनसुनवाई केंद्र में डिप्टी कलेक्टर मैहर शैलेंद्र सिंह तथा जिला प्रदूषण अधिकारी सतना जेपी झा के समक्ष अपने सभी बिंदुओं तथा अभिलेखों को रखकर स्पष्ट रूप से प्रस्तुत कर गहन जांच न्याय उचित कार्यवाही हेतु निवेदन कर कि खदान के विषय में उचित कार्यवाही एवं गहन जांच करवाने के लिए हमारे द्वारा शासन को लिखित पत्र के माध्यम से कार्यवाही की गई है। जिसमें शासन द्वारा खदान संबंधी आवश्यक सभी शर्तें पूरी न होने की स्थिति में खदान संचालन बंद किए जाने का निर्णय आदेश भी हमारे पास उपलब्ध हैं। जिनको पुनः जनसुनवाई में उपस्थित मैहर डिप्टी कलेक्टर शैलेंद्र सिंह तथा जिला सतना प्रदूषण प्रभारी जेपी झा को प्राप्त अभिलेख से अवगत करा कर उचित कार्यवाही करने की मांग की गई। जिस विषय में डिप्टी कलेक्टर तथा जिला प्रदूषण अधिकारी जेपी झा सतना के द्वारा मीडिया के समक्ष सभी बिंदुओं पर गहन विचार करते हुए जांच करवा कर उचित कार्यवाही करने का आश्वासन दिया गया। तथा वही मौके पर जाकर खदान स्थल का निरीक्षण किया गया और पाया गया कि लगभग 80 फीट गहरी खदानें खुदी हुई है जिन पर पानी भरा हुआ है। यह वही खदानें हैं जिनपर बेचारे गरीब असहाय बोध मजदूर आदिवासियों कुछ किशोर बच्चों की पानी में डूबने से दर्दनाक मौत भी हो चुकी है। इसी कारण से सभी ग्रामवासी गरीब व्यक्ति एवं सरपंच खदान संचालन का पुरजोर विरोध कर रहे हैं एवं सभी लोगों में काफी आक्रोश भी व्याप्त है। अब देखना यह होगा कि जनसुनवाई के दौरान मैहर कलेक्टर एवं जिला प्रदूषण अधिकारी के द्वारा दिए गए आश्वासन पर सरपंच सहित बठिया के गरीब आदिवासियों के बच्चों के खो जाने की दुख भारी आवाज तथा उड़ रही धूल के प्रदूषण से दमघुट रही भरी जिंदगी आदि की आवाज अथवा मांग पर शासन प्रशासन से उचित परिणाम एवं न्याय क्या मिलता है? क्या इनकी मांगे स्वीकार होगी या नहीं? या खदान संचालक अभिमन्यु सिंह के द्वारा लगाए जा रहा है दांव-पेंच सफल होते हैं!

भाजपा सदस्यता अभियान बैठक सम्पन्न

बैठक में कई वरिष्ठ भाजपा नेता समेत अन्य नेता मौजूद रहे

मोहम्मद मुनीर । सिटी चीफ । शहडोल, भाजपा संगठन पाव सदस्यता अभियान 2024 के अंतर्गत शांति केंद्रकी बैठक संपन्न हुई, सदस्यता अभियान में विचार विमर्श किया गया पूर्व मंडल अध्यक्ष विजय गुप्ता द्वारा जानकारी देते हुए बताया की शक्ति केंद्र के बाद भूत स्तर पर बैठक की जाएगी और आज सितंबर को देश के ससुर नरेंद्र मोदी जी इस नंबर 88000 02024 शुभारंभ करते हुए मिस कॉल कर भारतीय जनता पार्टी के प्रथम सदस्य बनेंगे और उसके बाद देश भर में भी संगठन के कार्यकर्ताओं द्वारा मिस कॉल सदस्य मिस कॉल कर सदस्य बनाए जाएंगे बैठक में सर्व मुख्य

रूप से वरिष्ठ भाजपा नेता विजय गुप्ता रवींद्र वर्मा, सुनील मिश्रा, अजय मिश्रा, प्रवीण नामदेव, होलकर सिंह, राहुल गुप्ता, प्रदीप गुप्ता, साहिल अन्य भाजपा नेता मौजूद रहे।

शहडोल पुलिस ने यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों पे की चालानी कार्यवही

43 चालान कटे, 17,400 जुर्माना वसूला

मोहम्मद मुनीर । सिटी चीफ । शहडोल। पुलिस द्वारा दिनांक शनिवार बिना हेलमेट लगाए दो पहिया वाहन चालाने वाले एवं बिना सीट बेल्ट लगाये चार पहिया वाहन चलाने वाले चालकों एवं अन्य के विरूद्ध विभिन्न धाराओं के तहत 43 चालानों में 17,400/- रूपये समंस शुल्क वसूल किया गया कार्यवाही जारी है। पुलिस द्वारा संबंधितों के विरूद्ध चालानी कार्यवाही करते हुए नियमों का पालन करने हेतु कड़ाई पूर्वक निर्देशित किया गया। दरअसल यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरूद्ध शहडोल पुलिस ने चालानी कार्यवही की है।

धनपुरी में जुआ के खिलाफ बड़ी कार्रवाई

जुआ खेलते तीन गिरोह धराए नकदी और तास के पत्ते जब्त

मोहम्मद मुनीर । सिटी चीफ धनपुरी, पुलिस अधीक्षक कुमार प्रतीक के दिशानिर्देशन में अवैध कार्य के विरुद्ध लगातार कार्यवाही जारी है जिसके तारतम्य में लगातार थाना धनपुरी क्षेत्रांतर्गत शनिवार कस्बा भ्रमण के दौरान मुखबिर द्वारा सूचना प्राप्त हुई कि स्थानीय धनपुरी में कुछ व्यक्ति तास के पत्तों से हारजीत का दाव लगाकर जुआ खेल रहे है। सूचना पर धनपुरी पुलिस द्वारा उक्त सूचना स्थान पर दबिश देकर आरोपी 1.राजेश पिता नंदकिशोर केवट उम्र 27 वर्ष निवासी नरगडा मोहल्ला, धनपुरी के कब्जे से तास के 52 पत्ते एवं 1,020 रूपये नगदी जब्त किया गया। पुलिस द्वारा आरोपियों के विरूद्ध जुआ एक्ट के तहत अपराध

पंजीबद्ध किया गया। इसी क्रम में एक और घटनाक्रम में धनपुरी पुलिस द्वारा उक्त सूचना स्थान पर दबिश देकर आरोपी खलीक पिता महमूद उम्र 34 वर्ष निवासी धनपुरी वगैरह 02 नफर के कब्जे से तास के 52 पत्ते एवं 1,420 रूपये नगदी जब्त किया गया। पुलिस द्वारा आरोपियों के विरूद्ध जुआ एक्ट के तहत अपराध पंजीबद्ध किया गया। इसी तरह दबिश देकर आरोपी प्रेमलाल पिता जयराम वंशकार निवासी धनपुरी वगैरह 04 नफर के कब्जे से तास के 52 पत्ते एवं 407 रूपये नगदी जब्त किया गया। पुलिस द्वारा आरोपियों के विरूद्ध जुआ एक्ट के तहत अपराध पंजीबद्ध किया गया।

शॉर्ट-सर्किट से एक मकान में लगी आग

पुलिस और फायर ब्रिगेड ने मौके पर पहुंचकर बुझाई आग

गौरव सिंघल । सिटी चीफ सहारनपुर, शॉर्ट-सर्किट से एक मकान में आग लग गई। आग लगने की सूचना मिलते ही पुलिस और फायर ब्रिगेड कर्मियो ने मौके पर पहुंचकर कडी मशक्कत के बाद किसी तरह आग पर काबू पाया। आग से लाखों रूपए कीमत का सामान जलकर राख हो गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार सहारनपुर जनपद के थाना जनकपुरी क्षेत्र की दामोदरपुरी कॉलोनी में रसोई घर में हुए शॉर्ट सर्किट से मकान में आग लग गई। दमकल विभाग की टीमों ने मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पा लिया। रसोई घर में सिलिंडर भी रखे थे। अगर सिलिंडर आग पकड़ लेते तो बड़ा

हादसा हो सकता था। पूरा परिवार आग से बाल-बाल बचा है। जबकि लाखों रुपये का सामान जलकर राख हो गया। थाना जनकपुरी क्षेत्र की दामोदपुरी कॉलोनी निवासी सुशांत त्यागी के घर की रसोई में शॉर्ट सर्किट से आग लग गई। इससे परिवार के लोग दहशत में आ गए। पहले आग पर खुद काबू पाने की कोशिश की, लेकिन कोई सफलता नहीं मिली। आग धीरे-धीरे बढ़ती चली गई। सूचना पर सीएफओ प्रताप सिंह दमकल विभाग की टीम के साथ मौके पर पहुंच गए। टीम ने आग बुझाना शुरू किया। रसोई घर में रखे सिलिंडर बाहर निकाले। इसके बाद करीब एक घंटे में दमकल विभाग की टीम ने आग पर काबू पा लिया। सुशांत त्यागी के परिवार को भी मकान से निकालकर सुरक्षित स्थान पर भेज दिया गया।

खूबसूरत पहाड़ियों से घिरा गांव बैरागी

जहां मुर्गे पहलवानी के ताल ठोक कर उतरते हैं मैदान में

उमेश कुशवाहा | सिटी चीफ।

छत्तीसगढ़ का मनेन्द्रगढ़- चिरमिरी-भरतपुर जिला अपने चारों तरफ प्राकृतिक सुंदरता से घिरा हुआ है. इसकी ऊंची नीची पहाड़ियों के बीच से गुजरते हुए घुमावदार रास्ते पर अपने वाहन चलाते हुए कभी बाएं कभी दाएं कभी झुक कर आप अपना संतुलन बनाने की कई मुद्राओं और योगासन का अभ्यास करते चलते हैं. इसी रास्ते के आसपास फैले सघन साल बनों का सौंदर्य अलग-अलग मौसम में अलग-अलग रूपों में जब प्रस्तुत होता है और अपनी अलग छटा बिखेरता है तब उसकी सुंदरता का वर्णन करने में वाणी मूक हो जाती है. इसी एम सी बी जिले के ताराबहारा ग्राम पंचायत में खूबसूरत पहाड़ियों से घिरा बैरागी गांव अपनी प्राकृतिक सुंदरता और ऊंची नीची पहाड़ियों के ढलान के रास्ते के लिए जाना जाता है. यहां तक पहुंचने के रास्ते मे पहाड़ियों और जंगलों के इतने अलग अलग दृश्य दिखाई पड़ते हैं, जिसे देखकर ऐसा लगता है कि थोड़ी दूर रुक कर इन्हें अपनी आंखों में कैद कर लें. हमारे साथी परमेश्वर सिंह से हमें जानकारी मिली कि यहां के पहलवान मुर्गे भी ताल ठोक कर अपने पहलवानी के दांव आजमाने मैदान में उतरते हैं. बड़ी ही रोचक कहानी है इस बैरागी गांव की आईए पर्यटन के लिए चलें इसी बैरागी गांव की ओर. एमसीबी जिले के मुख्यालय मनेन्द्रगढ़ बाजार से बाहर निकल कर मनेन्द्रगढ़ को घेरकर चलने वाली राष्ट्रीय राजमार्ग 43 के कटनी - गुमला मार्ग से कठौतिया तक 9 किलोमीटर की यात्रा करके हम कठौतिया पहुंचते हैं और यही से उत्तर दिशा में मनेन्द्रगढ़- जनकपुर मार्ग छ.ग. स्टेट हाईवे (राज्य मार्ग) क्रमांक 8 से चलते हुए लगभग 15 किलोमीटर की यात्रा पूर्ण कर हमें बिहारपुर पहुंचना है. बिहारपुर पहुंच कर दाहिनी ओर उत्तर पूर्व दिशा में दो मार्ग दिखाई देते हैं. पहला मार्ग बिहारपुर - सोनहत मार्ग एवं यहां से आगे बढ़कर 500 मी. के बाद दूसरा मार्ग बिहारपुर -बैरागी मार्ग कहलाता है. सड़क के किनारे लगे मील के पत्थर पर पीले रंग का सर्पिल आकार का पीले रंग का निशान बताता है कि यह गांव की प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के अंतर्गत निर्मित सड़क है. प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के अंतर्गत बनाए गए इस सड़क पर चलते हुए आप देश की प्रगति के स्वप्नदृष्टा प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई को जरूर याद करते हैं अन्यथा बैरागी जैसे गांव तक पहुंचने में देश को अभी पचास बरस और लग जाते. गांव के विकास की नब्ज जानने वाले अटल जी का गांवों तक बिजली और सड़क पहुंचाने का संदेश का मूलमंत्र आज गांव के विकास की चाबी बन गया है. बिहारपुर पहुंचकर बैरागी मार्ग पर मुड़ने से पहले यदि आपको यदि रास्ते का भ्रम हो तब किसी गांव वाले की सहायता लेकर सही मार्ग पर मुड़े. यहां से कुछ दूर लगभग 1.5 अर्थात डेढ़ किलोमीटर आगे बढ़ते ही एक छोटी सी नदी आपका रास्ता काटती हुई सड़क पार करती है, इसी नदी का पुल पार करते ही बाईं और एक टीन सेड एवं घास फूस से बना आश्रम दूर से ही दिखाई पड़ता है. जी हां यह शिव धारा का मार्ग है. बैरागी जाते हुए यदि आप चाहे तब कुछ देर परिवार सहित शिवधारा के जलप्रपात का आनंद ले सकते हैं. यहां घटोल नदी की जलधारा जब पहाड़ी से अचानक 50 लाख फुट नीचे गिरती है तब वहां पहुंचते पहुंचते बिखर जाती है ऐसा प्रतीत होता है कि सचमुच भगवान शिव की जटाओं से होकर गुजरती जलधाराएं फैल रही है. यही कारण है कि इसका नाम शिव धारा रख दिया गया. इसी घटोल नदी की ऊंचाई पर पत्थरों के बीच सम्हल कर खड़े रहने की कोशिश मे बरगद की जड़े यहां पानी के साथ - साथ डूबती उतराती है. कई स्थानों पर यह जड़े पानी को रोक कर शरारती बच्चों का खेल खेलती दिखाई पड़ती है. ध्यान से देखने पर एवं कैमरे की नजर में यहां बरगद की जड़ों की शिराएं सचमुच में शिव की जटाओं का प्रतिबिंब दिखाई पड़ती हैं. इसी शिव धारा के उत्तर में देवगढ़ की पहाड़ियों की श्रृंखला कहीं नीचे कहीं ऊंची होती हुई दूर तक अपनी बाहें फैलाई दिखाई देती हैं. अलग-अलग स्थान में इन पहाड़ियों को उस गांव या स्थान के नाम के साथ जोड़ दिया गया है. इसी तरह पहाड़ी से नीचे उतरते हुए जब हम बैरागी गांव पहुंचते हैं तब इसे बैरागी पहाड़ के नाम से ग्राम वासी जानते हैं. सतपुड़ा पहाड़ियों का यह अंचल धीरे-धीरे ढलान में बने रास्ते से आगे बढ़ता है यहाँ सघन साल वनों का सौंदर्य आपका मन मोह लेता है. बारिश के मौसम में निकली नई पत्तियों पर गिरते पानी को हाथ फैलाकर पत्तियाँ रोक लेती हैं फिर खपरैल घर की ओरी के नीचे खड़ी बालिका की तरह अंजूरी में भरकर बूंद जमीन पर गिराकर खुश होती है. कहीं-कहीं पर मोटी मोटी लतायें इन्हीं पेड़ों को गले लगाते हुए पेड़ों की गोलाईयों को नापती ऊंचाइयों तक पहुंच जाती है और वही अपनीपतली लंबी पत्तियों के बीच बैगनी पंखुड़ियां को फैलाकर ऊंचाई पर पहुंचने वाले बच्चों की तरह खिल खिलाकर हंस पड़ती है. पतझड़ में कुछ पत्तों के झड़ने की प्रक्रिया के बाद पानी बरसाने और उसे उड़ने से बचाने मे भी इन पेड़ों की पत्तियों का बहुत महत्वपूर्ण योगदान होता है. इसकी मजबूत लकड़ियों के कारण संस्कृत में से अग्निबल्लभा और अश्वकर्ण कहा जाता है. जबकि आंचलिक बोली में साल वृक्ष को बिहार के ग्रामीण सखुआ कहते हैं और छ.ग. के सरगुजा में इसे सरई कहा जाता है. इसी सरई के नीचे ग्रामीण आदिवासी बालायें जब मशरुम ग्रुप की ग्रामीण सब्जियों में उपयोग होने वाले बर्षा ऋतु का उपहार पूटू और खुखड़ी उखाड़ने सिर पर टुकनी लेकर निकलती हैं तब पूरा जंगल इनके सौंदर्य पर मंत्रमुग्ध होकर जमीन मे बिछ जाता है. जी हां इन्हीं पेड़ो की जड़ो के आसपास सिर उठाकर इन बालाओं का सौदर्य देखने जब पूटू सिर उठाकरमिट्टी से बाहर देखता है उसी समय लड़कियों के नर्म हाथों से ये उखाड़ लिए जाते हैं. बस्तर में इसे बोड़ा कहा जाता है. सालवनों के नीचे लाल भुरभुरी मिट्टी में पैदा होने वाली मशरुम की यह पूटू प्रजाति सब्जी केवल प्रकृति ही पैदा कर सकती है. यही पूटू और खुखड़ी अपनी-अपनी टोकनी में भरकर जब ग्रामीण बालाएं बाजार में पहुंचती है तब बाजार में कोहराम मच जाता है और सब्जी बाजार में इसकी खरीद के लिए लोगों का हूजूम पहुंच जाता है. शुरुआती बाजार में इसकी कीमत आजकल ?1000 से लेकर ?1500 तक इन आदिवासियों को मिल जाती है. इनकी ऊँची कीमत के कारण अब दलाल सक्रिय हो गए है जो औने पौने दाम मे इनसे खरीद कर बाजार में ज्यादा कीमत पर बेचते देखे जा सकते हैं. प्रकृति का यह उपहार बरसात के दिनों में ग्रामीण बालाओं के अतिरिक्त आय का एक जरिया है हालांकि यह एक या 2 महीने के अंदर ही समाप्त हो जाता है, अगले साल फिर से पैदा होने के लिए. बसंत के आगमन के साथ-साथ यही सरई के जंगल जब गुच्छे में फूलते हैं तब यह.कहना बहुत मुश्किल होता है कि यह फूल है या किसी कलाकार ने जंगल के बालो की वेणी में सफेद फूलों को सजाकर जंगल का श्रृंगार किया है. गर्मी के मौसम में इसके फल अपनी पंखुड़ियां के साथ जब उड़ते उड़ते दूर तक निकल जाते हैं तब इसे देखने के लिए हमें अपने आंखों को एकटक बिना पलक झपकाए देखना पड़ता है. बसंत और होली मे टेसू के फूलों से लदा जंगल होली आते-आते ऐसा प्रतीत होता है मानो जंगल में फागुन के रंगों की होली खेली जा रही हो. इन्हीं साल वनों से भरी पहाड़ियों के बीच से गुजरती सर्प की चाल की तरह इधर-उधर मुड़ते हुए रास्ते कुछ देर इस प्राकृतिक सुंदरता को आंखों में भर लेने हेतु आमंत्रित करते हैं. इन्ही ढलान से नीचे उतरते हुए पहाड़ों से घिरा एक गांव बड़ी दूर से दिखाई पड़ता है, जी हां यही है बैरागी गांव. जैसे-जैसे हम ढलान से नीचे पहुंचते हैं एक छोटी सी नदी किसी बालिका की तरह हाथ फैलाकर हमारा रास्ता रोक लेती है. नाम पूछने पर कहती है मैं हूं बैरागी पहाड़ से निकलने वाली केवई नदी . कभी इस गांव की यही नदी इस गांव का बरसात मे रास्ता रोक लेती थी. उस समयगांव वालों को इस पार से उस पार जाना बहुत मुश्किल था विशेष कर किसी सदस्य के बीमार हो जाने पर अस्पताल तक पहुंचना संभव नहीं होता था, लेकिन एक छोटे से पुल निर्माण के बाद अब यह रास्ता आसान हो गया है. इसी नदी की ऊंचाई की तरफ जब हम उत्तर की ओर देखते हैं तब लगभग एक किलोमीटर दूर में एक छोटा जलप्रपात दिखाई पड़ता है. बैरागी पहाड़ से निकलने वाली केवई नदी जैसे ही एक दो किलोमीटर आगे बढ़ती है अचानक 30 -40 फीट नीचे जमीन पर कूद जाती है और एक जलप्रपात का निर्माण करती है. गांव वाले इसे घघिया जलप्रपात कहते हैं. यह गांव चारों और से छोटी-छोटी पहाड़ियों से घिरा हुआ है. जाने क्या-क्या है इन पहाड़ियों में . कहते है वन्य जीवजन्तु के साथ साथ जंगली जड़ीबूटी का श्रोत है यह जंगल.कहते है पहले खरगोश बहुतायत मे यहां पाए जाते थे बंदरों की टोली कहीं भी छोटे छोटे बच्चों के साथ पेड़ो पर लटकते दिखाई देते थे. अब समय ने इनको सीमित कर दिया है जंगल मे इनके खाने के लिए कुछ बचा ही नहीं. वैज्ञानिक भाषा में जैवविविधता का भंडार है यह पहाड़ियाँ, लेकिन मानव दखलंदाजी ने इसमे भी अब सेंध लगा दी है. गांव के उत्तर में फैली पहाड़ी बम्हनी पहाड़ी कहलाती है. कहते हैं बनवासी भगवान श्री राम इन्हीं जंगलों के बीच ऋषि मुनियों की तपस्थली एवं आश्रमों में जब उनका आशीर्वाद लेने आए थे, उस समय मंत्र शक्ति के शीर्षस्थ ऋषि निदाध के आश्रम जटाशंकर तक भी पहुंचे थे. भूमिगत भगवान शिव का जटाशंकर मंदिर तक जाने का यह पुराना पहाड़ी पगडंडी मार्ग है जो इसी बैरागी गांव से आगे बढ़कर हनुमानगढ़ी होते हुए आगे बढ़ता है. कुछ लोग इसे हनुमान द्वारी भी कहते हैं. आगे यह कालीघाट से होते हुए लगभग 10 किलोमीटर की पैदल यात्रा करने के बाद चपलीपानी गांव से गुजरते हुए जटाशंकर तक पहुंचाती है. इस बैरागी गांव की भी अपनी अलग कहानी है ग्रामीणों से बातचीत में पता चला कि गांव में मुर्गों की लड़ाई इस गांव की पहचान है आपने नाग पंचमी में पहलवानों को कुश्ती में ताल ठोकते हुए देखा होगा लेकिन बैरागी गांव में होली के दूसरे दिन परेवा तिथी को रंग गुलाल के बाद गांव के लोग चौपाल में इकट्ठा होते हैं और एक बड़ा घेरा बना लेते हैं. इसी घेरे में विशेष प्रशिक्षित मुर्गों को ताल ठोक कर लड़ने के लिए उतारा जाता है. फ्रीस्टाइल कुश्ती की तरह लड़ने वाले मुर्गे एक दूसरे को ऊपर उड़- उड़ कर आक्रमण करते हैं और एक दूसरे को लहूलुहान कर देते हैं. वाहवाही से सराबोर लोग उनका हौसला बढ़ाते है. निर्णायक जीतने वाले मुर्गे की घोषणा बुजुर्गों की टीम द्वारा की जाती है. इसी तरह महिलाओं द्वारा मुर्गा पकड़ के प्रतियोगिता का उत्साह और जुनून देखते ही बनता है कछनी कांछ कर(साड़ी को जरा उपर खींचकर कमर में खोंस लेना) मैदान में उतरने वाली महिलाएं जब बार-बार उड़- उड़ कर भाग जाने वाले मुर्गे के पीछे इधर-उधर दौड़ती है तब उनके माथे पर आया पसीना उनकी ताकत और मेहनत को दर्शाता है. मुर्गे भी शायद उन्हें इसी तरह इधर-उधर दौड़ता हुआ देखकर खुश होते है. इसीलिए उड़कर भाग जाने वाला मुर्गा अपनी ताकत और बल प्रयोग कर उन्हें छकाने का प्रयास करताहै. बहुत बढ़िया कहते लोग प्रतियोगी महिलाओं का उत्साह वर्णन करते हैं. कई घंटे चलने वाली इस प्रतियोगिता को देखने बाहर से कई गांव के लोगों का आना इस खेल को मनोरंजक और रोचक बना रहा है वहीं धीरे-धीरे इस बैरागी गांव की अपनी पहचान बनता जा रहा है.

साल भर बारहों महीने अपने अलग-अलग रूपों में सजे धजे साल वनो का यह सौंदर्य और बैरागी गांव पहुंचकर केवई नदी का घघिया जलप्रपात देखने का आनंद लेने के लिए बैरागी का नैसर्गिक सौंदर्य आपको आमंत्रित कर रहा है. प्रकृति के साथ जीवन जीने का मंत्र लिए आदिवासी परंपराओं में रचा बसा यह गांव अभी भी शहरी सभ्यता से दूर है . अब बच्चे यहां भी पढ़ लिखकर नौकरी और रोजी-रोटी की तलाश में बाहर निकल रहे हैं, लेकिन यह सिलसिला अभी बहुत दूर तक नहीं गया है. आपको जानकर खुशी होगी की पूर्व जिला पंचायत सदस्य रमेश राम जी इसी गांव के निवासी है और उन्होंने गांव के लिए काफी कुछ करने का प्रयास किया है जो वर्तमान में दिखाई पड़ रहा है लेकिन विकास के मामले में इस गांव मे अभी मूलभूत सुविधाओं के लिए यह उक्ति पर्याप्त होगी कि अभी दिल्ली दूर है. लेकिन इतना तय है कि बैरागी गांव आज भी अपनी निश्चल हंसी के साथ आपका मन मोह लेगी . इतना जरूर ध्यान रखें कि गांव में आपके चाय- पानी की व्यवस्था के लिए कोई होटल नहीं है. हां मौसमी फलों केला, पपीता और भुट्टा, खीरा जैसे ग्रामीण क्षेत्र में पाए जाने वाले मौसमी देसी फल आपको उपलब्ध हो सकते हैं. जो गांव की बाड़ी से आप खरीद कर या किसी समृद्ध किसान से उपहार में प्राप्त कर सकते हैं. इसलिए अपने साथ अपना जलपान स्वयं लेकर ही इस गांव तक पहुंचे और प्रकृति के गोद में बसे साल वनों का सानिध्य और जंगलों के बीच बसे आदिवासी जनजीवन से परिचित होने के लिए केवई नदी के उद्गम का गांव बैरागी आपका रास्ता निहार रहा है....

पृथक पश्चिम प्रदेश निर्माण व गन्ने का लाभकारी मूल्य 700 कुंतल करने के लिए किसानों को लडनी होगी बडी लड़ाई : भगत सिंह वर्मा

भाकियू वर्मा व पश्चिम प्रदेश मुक्ति मोर्चा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक हुई संपन्न

गौरव सिंघल । सिटी चीफ

सहारनपुर, भाकियू कार्यालय पर राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक को संबोधित करते हुए भारतीय किसान यूनियन वर्मा व पश्चिम प्रदेश मुक्ति मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष भगत सिंह वर्मा ने कहा कि भारतवर्ष कृषि प्रधान देश होने के बावजूद भी आजादी के 77 वर्ष बाद दिल्ली में बैठे हुए नेताओं की उदासीनता और किसान विरोधी नीतियों के चलते देश का अन्नदाता किसान आर्थिक संकट से घिर चुका है। कृषि प्रधान देश में दिल्ली लुटीयन जोन में बैठे हुए बड़े नेताओं की किसान विरोधी नीतियों के चलते देश का अन्नदाता किसान कर्जबंद होकर आत्महत्या करने को मजबूर है और अभावग्रस्त जीवन जीने को मजबूर है। राष्ट्रीय अध्यक्ष भगत सिंह वर्मा ने कहा कि आजादी से अब तक देश के 77 वर्षों में देश के किसानों को उनकी फसलों का लाभकारी मूल्य तो दूर लागत मूल्य भी सरकारें नहीं दिला पाई हैं। यदि देश के किसानों को उनकी फसलों का लागत मूल्य भी मिल जाता तो आज देश के किसानों को 50 लाख करोड रुपए मिलते लेकिन आज देश का अन्नदाता किसान देश को खाद्यान्न में आत्मनिर्भर बनाने के बावजूद 24 लाख करोड रुपए का कर्जबंद हो गया है जो वर्ष 2000 में मात्र 1 लाख करोड रुपए कर्ज था। भगत सिंह वर्मा ने कहा कि भाजपा के नेताओं और खुद प्रधानमंत्री मोदी ने कहा था कि हम वर्ष 2022 में देश के किसानों की आय दोगुनी कर देंगे लेकिन आए तो दुगनी नहीं हुई है कर्ज जरूर 24 गुना हो गया है। किसानों से अपने बच्चों की पढ़ाई का महंगा बोझ भी नहीं उठाया जा रहा है। भगत सिंह वर्मा ने कहा कि देश को उन्नतशील, विकासशील बनाने के लिए प्रधानमंत्री मोदी जी देश के अन्नदाता किसानों के सभी कर्ज समाप्त करें, किसानों को उनकी फसलों का लाभकारी मूल्य दिलाए, मनरेगा योजना को सीधा खेती से जोड़कर किसानों को मजदूर उपलब्ध कराएं, एम एस पी को गारंटी कानून बनाएं, ट्रैक्टर, कृषि यंत्र, खाद, बीज, कीटनाशक दवाओं से जीएसटी को समाप्त कराएं, छुट्टा व आवारा पशुओं से किसानों की खेती को बचाएं, देश के किसान, मजदूर और गरीब के बच्चों को शिक्षा और चिकित्सा निश्शुल्क कराई जाए, गन्ना उत्तर प्रदेश ही नहीं देश की आर्थिक रीढ है। गन्ना किसानों को बढ़ती लागत को देखते हुए गन्ने का लाभकारी मूल्य ?700 कुंतल नकद दिलाया जाए जो आसानी से उत्तर प्रदेश और देश के गन्ना किसानों को दिया जा सकता है। भगत सिंह वर्मा ने कहा कि उत्तर प्रदेश बड़ा राज्य होने के कारण गरीबी, महंगाई, भ्रष्टाचार, बेरोजगारी, गुंडागर्दी एवं अवयवस्था की चपेट में है। इसलिए राज्य पुनर्गठन आयोग गठित करके उत्तर प्रदेश को चार भागों में बांटकर पृथक पश्चिम प्रदेश का निर्माण कराया जाए। पृथक पश्चिम प्रदेश निर्माण होने पर यहां सभी को रोजगार और किसानों को उनकी फसलों का लाभकारी मूल्य मिलेगा। बैठक का संचालन करते हुए भारतीय किसान यूनियन वर्मा के राष्ट्रीय प्रवक्ता डॉक्टर अशोक मलिक ने कहा कि सभी समस्याओं को एक निदान पृथक पश्चिम प्रदेश का निर्माण करो। डॉ अशोक मलिक ने कहा कि सरकार ने सहारनपुर के चारों तरफ टोल प्लाजा बैरियर लगा दिए हैं। सड़कों पर आम आदमी व गरीब का चलना दूभर है। इसलिए प्रधानमंत्री मोदी जी तत्काल प्रभाव से टोल टैक्स समाप्त कराएं। क्योंकि कार व सभी गाड़ियों से पहले ही रोड टैक्स और भारी मात्रा में उत्पाद शुल्क केंद्र सरकार वसूलती हैं। बैठक में भारतीय किसान यूनियन वर्मा के राष्ट्रीय संरक्षक चौधरी रामचंद्र गुर्जर, प्रदेश उपाध्यक्ष पंडित नीरज कपिल, प्रदेश महामंत्री आसिम मलिक, प्रदेश संगठन मंत्री धर्मवीर चौधरी, प्रदेश सचिव ऋषिपाल गुर्जर, महानगर अध्यक्ष जहीर तुर्की, पश्चिम प्रदेश मुक्ति मोर्चा जिला अध्यक्ष सुशील धारकी, मंडल उपाध्यक्ष कृपाल चौधरी, जिला उपाध्यक्ष मोहम्मद वसीम जहीरपुर, जिला मंत्री महबूब हसन, जिला मंत्री मुकर्रम प्रधान, ब्लॉक अध्यक्ष हाजी बुद्धू हसन, महानगर उपाध्यक्ष हाजी कलीमउर रहमान, जिला उपाध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी एडवोकेट, कार्यकारिणी सदस्य अजीत सिंह एडवोकेट, सुमित वर्मा आदि ने भाग लिया।

अवैध खनन एवं ओवर लोड वाहनों की सीसीटीवी से होगी निगरानी :- डीएम मनीष बंसल

ओवरलोडेड वाहनों के अवैध संचालन पर लगाया जाए प्रभावी अंकुश : डीएम

गौरव सिंघल । सिटी चीफ

सहारनपुर, जिलाधिकारी मनीष बंसल की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में अवैध खनन एवं परिवहन को रोकने हेतु जिला टास्कफोर्स की बैठक आहूत की गयी। बैठक में डीएम मनीष बंसल ने कहा कि ओवरलोड वाहनों के संबंध में स्टोन क्रेशरों की भी जिम्मेदारी तय की जाएगी। सभी स्टोन क्रेशर संचालक अपने स्टोन क्रेशरों पर सीसीटीवी कैमरे लगवाने के साथ ही उन्हें निरंतर चालू रखना सुनिश्चित करें। उन्होंने सख्त निर्देश दिए कि पकडे गये ओवरलोड वाहनों की जारी आरसी की कडाई से वसूली की जाए। जिलाधिकारी मनीष बंसल ने कहा कि अवैध खनन व परिवहन में संलिप्त वाहनों पर कडी कार्यवाही की जाए। साथ ही यह भी सुनिश्चित किया जाए कि जनपद में उपखनिजों के परिवहन में प्रयुक्त वाहनों द्वारा माईनटैग का शत-प्रतिशत प्रयोग हो। उन्होंने निर्देश दिए कि खनिजों का परिवहन करने वाले सभी वाहनों में हाई सिक्योरिटी रजिस्ट्रेशन नम्बर प्लेट अनिवार्य रूप से लगी होनी चाहिए। इसके लिए सघन प्रवर्तन अभियान चलाकर हाई सिक्योरिटी रजिस्ट्रेशन नम्बर प्लेट लगाने की कार्यवाही सुनिश्चित करायें। डीएम मनीष बंसल ने कहा कि अगर किसी थानाध्यक्ष के क्षेत्र में होने वाले अवैध खनन की सूचना जिला टास्क फोर्स को नहीं दी गई तो संबंधित थानाध्यक्ष की जिम्मेदारी तय की जाएगी। इसलिए सभी थानाध्यक्ष अवैध खनन की सूचना मिलते ही तत्काल टास्कफोर्स को सूचित करें। बिना रॉयल्टी एवं फर्जी रॉयल्टी वालो पर कड़ी कार्यवाही की जाए। उन्होंने कहा कि टास्कफोर्स क्षेत्र का निरंतर भ्रमण करती रहे। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व रजनीश कुमार मिश्र, एसपी देहात सागर जैन, समस्त एसडीएम, एआरटीओ एमपी सिंह, खनन अधिकारी सुभाष सिंह सहित संबंधित पुलिस अधिकारीगण उपस्थित रहे।

पर्युषण पर्व के प्रथम दिवस हुए विभिन्न आयोजन

राणापुर। श्वेतांबर जैन समाज के पर्युषण पर्व शनिवार से प्रारंभ हुए । इस महापर्व के उपलक्ष्य में नगर एक तीनो श्वेतांबर मंदिरो में आकर्षक सजावट की गई । शनिवार सुबह से ही मंदिरो में भगवान के पक्षाल,केसर पूजन,आरती,स्नात्र पूजन आदि के लिए बड़ी संख्या में पहुंचे । पर्युषण पर्व के लिए पारा में चातुर्मास कर रहे साध्वी श्री देशना निधि एवम साध्वी अर्हमनिधि श्री राजेंद्र भवन एवम श्री मुनिसुव्रत स्वामी जिनालय में शास्त्र वाचन एवम व्याख्यान हेतु पहुंचे है । शनिवार को प्रथम दिन श्री मुनिसुव्रत जिनालय मे पक्षाल,केसर पूजन,आरती आदि की बोलिया हुई विभिन्न लाभार्थियों ने लाभ लिए । शास्त्र जी को मनोहरलाल नाहर के निवास से ढोल के साथ चारित्र आराधना भवन लाया गया । यहा साध्वी अर्हमनिधी ने अपने प्रवचन में पर्युषण पर्व के बारे में विभिन्न जानकारी देते हुए पर्युषण पर्व के दौरान जप,तप आदि क्रियाएं करने की बात कही । उन्होंने श्रावक के पांच कर्तव्यों के बारे में जानकारी दी । साथ ही पांच बल के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने कहा की श्रावक को कम से कम पर्युषण पर्व तथा पंचमी को सुबह एवम शाम का प्रतिक्रमण अवश्य करना चाहिए । पर्युषण पर्व के प्रथम दिन श्री मुनिसुव्रत जिनालय में सुबह शाम के प्रतिक्रमण हुए जिसमे प्रभावना मोतीलाल कटारिया,सज्जनलाल कटारिया परिवार ने की । दोपहर में श्री मुनिसुव्रत पंच कल्याणक पूजन कमलेश कटारिया एवम दिनेश नाहर की ओर से श्री पार्श्व संगीत मंडल ने पढ़ाई । शाम को भगवान की आकर्षक अंग रचना की गई लाभार्थी राजेंद्र कटारिया । रात्रि में आरती पश्चात प्रभु भक्ति की गई ।

चीन से सटे बॉर्डर इंफ्रा प्रोजेक्ट्स मोदी सरकार की प्राथमिकता, लेह जाने वाले तीसरे रास्ते पर तेजी से काम जारी

जल्द शुरू होगा 15,800 फीट की ऊंचाई पर दुनिया की सबसे ऊंची सुरंग का काम

नई दिल्ली। सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) जल्द ही अगले कुछ हफ्तों में चीन के साथ सटी सीमा पर बुनियादी ढांचे का काम पूरा कर लेगा। इनमें लेह के लिए वैकल्पिक मार्ग पर सड़क पैच शामिल हैं, जो हर मौसम में कनेक्टिविटी सुनिश्चित करते हैं। इसके अलावा बीआरओ ने भारत-चीन सीमा सड़क कार्यक्रम के तहत परियोजनाओं पर काम करने और उत्तराखंड में मानसरोवर यात्रा मार्ग पर लिपुलेख दर्रे तक पूर्ण कनेक्टिविटी स्थापित करने को प्राथमिकता दी है। वर्तमान में लेह तक पहुंचने के लिए तीन रास्ते हैं। पहला जम्मू-कश्मीर में श्रीनगर-जोजिला-कारगिल, दूसरा हिमाचल प्रदेश में मनाली-रोहतांग के माध्यम से है। यह सड़क दारचा नामक स्थान पर अलग होती है, जहां से एक रास्ता पदम और निमू के माध्यम से लेह से जुड़ता है, ये तीसरा है। वहीं लेह से जुड़ने से पहले ये रास्ता हिमाचल प्रदेश में बारालाचा ला और लद्दाख में कारू के माध्यम से तांगलांग ला के पहाड़ी दर्रों को पार करता है। वर्तमान में लेह के इन दोनों रास्तों पर हर मौसम में कनेक्टिविटी नहीं है। लेह तक पहुंचने के लिए श्रीनगर-लेह और बारालाचा ला-कारू-लेह पुराने पारंपरिक मार्ग हैं। परियोजनाओं से परिचित वरिष्ठ अधिकारियों ने इंडियन एक्सप्रेस से कहा कि निमू-पदम-दारचा सड़क के 4 किलोमीटर लंबे बिना कटे हिस्से को जोड़ना और मनाली-दारचा-पदम-निमू अक्ष पर 4.1 किलोमीटर लंबी ट्विन ट्यूब शिंकू ला सुरंग पर निर्माण कार्य शुरू बीआरओ की लिस्ट में शामिल है। निमू-पदम-दारचा सड़क के 4 किलोमीटर लंबे बिना कटे हिस्से को जोड़ने का काम पूरा होने के कगार पर है और सड़क के अधिकांश हिस्से को पहले ही ब्लैकटॉप कर दिया गया है। बचे हुए काम अगले कुछ हफ्ते में पूरा हो जाने की उम्मीद है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जुलाई में द्रास की अपनी यात्रा के दौरान शिंकुन ला सुरंग परियोजना के निर्माण का शुभारंभ किया था। अधिकारियों ने कहा कि 15,800 फीट की ऊंचाई पर दुनिया की सबसे ऊंची सुरंग बनने वाली सुरंग पर पूर्ण काम अगले कुछ हफ्तों में शुरू होने वाला है।

बजट में पिछले वर्ष से 30 प्रतिशत की वृद्धि

यह इस वित्तीय वर्ष में बीआरओ को आवंटित कार्य बजट में भी परिलक्षित होता है, जिसमें पिछले वर्ष से 30 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई और इस वर्ष 6,500 करोड़ रुपये हो गई। बीआरओ ने चार सड़कों को भी लिस्ट किया है जिन्हें वह आईसीबीआर परियोजना के पहले दो चरणों के तहत पूरा करना चाहता है। इनमें आईसीबीआर के दूसरे चरण के तहत कुल 330.95 किमी लंबी तीन सड़कें और सुरवा सांबा में एक और सड़क शामिल है। सभी चार सड़कें अरुणाचल प्रदेश में हैं।

मनाली और लेह के बीच की दूरी को 60 किमी कम होगी

1,681 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाली यह सुरंग मनाली और लेह के बीच की दूरी को 60 किमी कम कर देगी। यह निमू-पदम-दारचा सड़क के 4 किमी लंबे बिना कटे हिस्से तक कनेक्टिविटी सुनिश्चित करेगा। यह हर मौसम के लिए खुला रहने वाला तीसरा मार्ग होगा, जो लेह के अन्य दो पुराने मार्गों का विकल्प होगा। अधिकारियों के अनुसार पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा (छअउ) के समानांतर चलने वाली सड़कों में से एक से कनेक्टिविटी स्थापित करना भी बीआरओ की एक प्रमुख प्राथमिकता वाली परियोजना है।

4 सालों में तेजी से हुआ काम

मौजूदा 255 किमी लंबी दुरबुक-श्योक-दौलत बेग ओल्डी सड़क के अलावा दो अन्य सड़कें विभिन्न स्थानों पर एलएसी के समानांतर चलती हैं। ये एक सड़क है जो कारू और न्योमा के माध्यम से लेह और डेमचोक को जोड़ती है और दूसरी चुशुल के माध्यम से दुरबुक को न्योमा से जोड़ती है जो पैंगोंग त्सो झील के साउथ में है। एक अधिकारी ने कहा कि पूर्वी लद्दाख में लेह-डेमचोक सड़क से कनेक्टिविटी स्थापित करने को प्राथमिकता दी गई है और इस सड़क पर अधिकांश निर्माण कार्य पूरा हो चुका है। इन सड़कों को डबल लेन करने की योजना है। इन सभी का उद्देश्य लद्दाख क्षेत्र में एक मजबूत सीमा बुनियादी ढांचे का विकास करना और एलएसी से बेहतर कनेक्टिविटी स्थापित करना है। 2020 के बाद से लद्दाख क्षेत्र के साथ-साथ पूर्वोत्तर में सीमा बुनियादी ढांचे के निर्माण की गति तेजी से बढ़ी है। पिछले चार वर्षों में इन क्षेत्रों में सड़कों, पुलों, आवास, सुरंग, गोला-बारूद डिपो के निर्माण के साथ-साथ अन्य बुनियादी ढांचे के कार्यों में महत्वपूर्ण प्रगति हुई है ताकि परिचालन स्थिति के मामले में एलएसी पर तेजी से सैनिकों की आवाजाही को सक्षम किया जा सके।

पानी में डूबी 62,644 हेक्टेयर धान की फसल और 7,218 हेक्टेयर बागान

आंध्र प्रदेश में भारी बारिश, 13 हजार से अधिक लोगों को बचाया

हैदराबाद। आंध्रप्रदेश में पिछले दो दिनों में भारी बारिश के कारण पांच जिलों के 294 गांवों से 13,227 लोगों को निकाला गया है। अब तक भारी बारिश के कारण नौ लोगों की मौत हो चुकी है। कुल 17 एनडीआरएफ और एसडीआरएफ टीमों ने सात जिलों में 22 जलमग्न स्थानों पर बचाव अभियान चलाए। प्रारंभिक अनुमान बताते हैं कि 62,644 हेक्टेयर धान की फसल और 7,218 हेक्टेयर बागान जलमग्न हो गए हैं। आंध्र प्रदेश के गृह मंत्री वंगलापुड़ी अनिता ने रविवार को बताया कि मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने वरिष्ठ अधिकारियों के साथ मौसम की स्थिति की समीक्षा की और बाढ़ का आंकलन करने और राहत कार्यों की योजना बनाने के लिए ड्रोन जैसी तकनीकों का उपयोग करने की सिफारिश की। गृह मंत्री अनिता ने बताया कि एनटीआर, कृष्णा, बापटला, गुंटूर और पल्नाडू जिलों में 100 पुनर्वास केंद्र बनाए गए हैं, जहाँ निकाले गए लोगों को रखा गया है, साथ ही 61 चिकित्सा शिविर भी स्थापित किए गए हैं।

नोडल अधिकारियों को किया नियुक्त, बनाया कंट्रोल रूम

राज्य के सभी जिलों में कमांड एंड कंट्रोल रूम और टोल-फ्री नंबर स्थापित किए गए हैं, जिसमें नोडल अधिकारियों को स्थिति की निगरानी करने के लिए नियुक्त किया गया है। मुख्यमंत्री को सूचित किया गया कि बापटला जिले में प्रकासम बैराज के नीचे की ओर रहने वाले 6,000 लोगों को निकाला गया है। अधिकारियों के साथ एक टेलीकॉन्फ्रेंस में, नायडू ने कहा कि 31 अगस्त की तुलना में रविवार को बारिश की तीव्रता कम हो गई है, लेकिन उन्होंने देखा कि कुछ कॉलोनियां और घर जलमग्न हैं। नायडू ने अधिकारियों को जलमग्न सड़कों से पानी हटाने और कॉलोनियों और घरों में बाढ़ की समस्या का समाधान करने का निर्देश दिया। उन्होंने बताया कि कुछ क्षेत्रों में 27 सेंटीमीटर तक बारिश हुई है और अधिकारियों को इन क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करने का निर्देश दिया है। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि पिछले 50 वर्षों में ऐसी रिकॉर्ड बारिश नहीं हुई है, जिसके कारण बाढ़ के कारण राष्ट्रीय राजमार्ग तालाब में बदल गए हैं।

मौसम विभाग ने किया सतर्क

मौसम विभाग के एक अधिकारी ने कहा कि उत्तर आंध्र प्रदेश और दक्षिण ओडिशा तटों पर निम्न दबाव का क्षेत्र रविवार की सुबह उत्तर-पश्चिम दिशा में चला गया। मौसम प्रणाली रात के 12ः30 बजे से 2ः30 बजे के बीच कलिंगपटनम के पास से पार हो गई और वर्तमान में दक्षिण ओडिशा और आसपास के उत्तर आंध्र प्रदेश पर केंद्रित है। प्रणाली के अगले 24 घंटों के भीतर दक्षिण ओडिशा और दक्षिण छत्तीसगढ़ के ऊपर पश्चिम-उत्तर-पश्चिम दिशा में बढ़ने और एक अच्छी तरह से चिह्नित निम्न दबाव क्षेत्र में कमजोर होने की उम्मीद है। आंध्र प्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के प्रबंध निदेशक आर कुरमांध ने विजयवाड़ा में प्रकासम बैराज में कृष्णा नदी में भारी प्रवाह के कारण जारी किए गए प्रथम स्तर के चेतावनी के बारे में निचले इलाकों के निवासियों को सतर्क किया है।

सुप्रीम कोर्ट ने सुनाया फैसला, शिकायतकर्ता महिला के सास-ससुर और पति के खिलाफ दर्ज एफआईआर और चार्जशीट कर दी खारिज

चार्जशीट दायर होने के बाद भी एफआईआर रद्द कर सकता है हाईकोर्ट

नई दिल्ली। क्या किसी मुकदमे में चार्जशीट दायर होने के बाद उसकी एफआईआर दर्ज की जा सकती है। सुप्रीम कोर्ट ने हाल ही में अपने ताजा फैसले में दोहराया कि यदि हाईकोर्ट को लगता है कि कार्यवाही जारी रखना कानूनी प्रक्रिया का दुरुपयोग होगा तो हाईकोर्ट को सीआरपीसी की धारा 482 के तहत चार्जशीट दायर होने के बाद भी एफआईआर को रद्द करने का अधिकार है। जस्टिस दीपांकर दत्ता और जस्टिस उज्ज्वल भुयन की बेंच ने 28 अगस्त को आईपीसी की धारा 498ए के तहत क्रूरता के एक मामले में शिकायतकर्ता एक महिला के सास-ससुर और पति के खिलाफ दर्ज एफआईआर और चार्जशीट को खारिज कर दिया। लाइव लॉ की रिपोर्ट के अनुसार, अदालत ने गुजरात हाईकोर्ट द्वारा एफआईआर को खारिज करने से इनकार करने के खिलाफ शिकायतकर्ता के सास-ससुर और पति द्वारा दायर अपील को स्वीकार कर लिया। शिकायतकर्ता महिला ने 2002 में अपने पति और ससुराल वालों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई थी। उसने और उसके पति ने 2004 में आपसी सहमति से तलाक ले लिया था।

गुजरात हाईकोर्ट ने 14 सितंबर 2011 को महिला के पति और सास-ससुर द्वारा दायर केस रद्द करने की अर्जी खारिज कर दी थी, क्योंकि जांच अधिकारी ने केस में चार्जशीट दायर कर दी थी और अपीलकर्ताओं के खिलाफ प्रथम दृष्टया मामला बनाया गया था। हाईकोर्ट के उस फैसले अपीलकर्ताओं ने सुप्रीम कोर्ट का रुख कर वर्तमान अपील दायर की थी। सुप्रीम कोर्ट ने पाया कि 30 मई 2023 को नोटिस दिए जाने के बावजूद शिकायतकर्ता महिला अपील का विरोध करने के लिए अदालत में उपस्थित नहीं हुई, जैसा कि 2 दिसंबर 2023 की रिपोर्ट में जिक्र किया गया है। सुप्रीम कोर्ट ने पाया कि शिकायतकर्ता और उसके पति ने 2004 में अपने वैवाहिक संबंध तोड़ लिए थे और दोनों अपने-अपने जीवन में अच्छी तरह से व्यवस्थित थे। कोर्ट ने पाया कि शिकायतकर्ता महिला ने अपने वैवाहिक जीवन को बाधित नहीं करना चाहती थी और उसने अदालत की वर्तमान कार्यवाही में भाग नहीं लिया था।

सुप्रीम कोर्ट ने यह भी कहा कि एफआईआर में लगाए गए आरोप अस्पष्ट और सामान्य प्रकृति के थे। इसलिए, कोर्ट ने सवाल किया कि क्या एफआईआर और चार्जशीट को केवल अपीलकताओं के खिलाफ प्रथम दृष्टया मामला दिखने के कारण सुनवाई के लिए आगे बढ़ाया जाना चाहिए। शीर्ष अदालत ने अभिषेक बनाम मध्य प्रदेश राज्य सहित कई मिसालों का हवाला देते हुए इस बात पर जोर दिया कि हाईकोर्ट के पास चार्जशीट दायर होने के बाद भी सीआरपीसी की धारा 482 के तहत एफआईआर को रद्द करने की शक्ति है। इसलिए, सुप्रीम कोर्ट ने संविधान के अनुच्छेद 142 के तहत अपनी शक्तियों का प्रयोग करते हुए एफआईआर, चार्जशीट और इससे उत्पन्न होने वाली अन्य सभी कार्यवाहियों को रद्द करके पक्षों के बीच लंबे समय से चले आ रहे विवाद को खत्म कर दिया।

थॉमस एडवर्ड रेवेनशॉ के नाम पर रखा गया था विश्वविद्यालय का नाम, उस दौरान अकाल में 10 लाख लोगों की हुई थी मौत

156 साल पुरानी यूनिवर्सिटी का नाम बदलने की कवायद शुरू

नई दिल्ली। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने शनिवार को 156 साल पुराने रेवेनशॉ विश्वविद्यालय का नाम बदलने के सुझाव से बहस छेड़ दी। इस विश्वविद्यालय का नाम थॉमस एडवर्ड रेवेनशॉ के नाम पर रखा गया है। रेवेनशॉ एक ब्रिटिश नौकरशाह थे, जिन्होंने इस संस्थान की स्थापना में मदद की थी। 1868 में रेवेनशॉ कॉलेज के रूप में स्थापित यह संस्थान 2006 में एक पूर्ण विश्वविद्यालय बन गया। कटक में स्थित इस संस्थान में वर्तमान में नौ स्कूल और 33 विभाग हैं और इसमें लगभग 8,000 छात्र हैं। इस संस्थान की स्थापना 1866 के महान ओडिशा अकाल (ना अंका दुर्भिक्ष्य) के कुछ साल बाद ही हुई थी। आधिकारिक आंकड़ों से पता चलता है कि अकाल के दौरान ओडिशा में कम से कम 10 लाख लोग मारे गए थे। इसका जिक्र करते हुए प्रधान ने कहा यह मेरी व्यक्तिगत राय है कि संस्थान का नाम बदला जाना चाहिए। ओडिशा में विनाशकारी अकाल रेवेनशॉ साहब (जब वे ओडिशा संभाग के आयुक्त थे) के कार्यकाल के दौरान हुआ था। ओडिशा के बुद्धिजीवियों को इस बारे में सोचना चाहिए। इस मुद्दे पर बहस की जरूरत है। कटक में एक कार्यक्रम में भाग लेने के बाद पत्रकारों से बात करते हुए प्रधान ने पूछाः उस समय (1866 के अकाल के समय) प्रशासक क्या कर रहे थे? क्या यह हमारे लिए गर्व की बात है कि हम उन लोगों के नामों का महिमामंडन करें जो उड़िया लोगों को दुख देने के लिए जिम्मेदार थे? हालांकि, संस्थान के कुछ जाने-माने पूर्व छात्र इस सुझाव से सहमत नहीं थे। संस्थान के पूर्व छात्र और ओडिशा के पूर्व मुख्य सचिव सहदेव साहू ने कहा, संस्था की स्थापना करके, रावेनशॉ साहब ने वास्तव में उस समय ओडिया गौरव को बरकरार रखा जब ओडिया भाषा अपनी पहचान के लिए संघर्ष कर रही थी। उच्च शिक्षा के प्रसार में उनके प्रयासों के कारण, उस समय लोगों ने संस्थान का नाम उनके नाम पर रखकर ब्रिटिश अधिकारी को सम्मानित किया। रावेनशॉ साहब ओडिया लोगों को दुख देने के लिए जिम्मेदार नहीं थे। साहू 1957 से 1960 तक संस्थान के छात्र रहे। एक अन्य पूर्व छात्र, शिक्षाविद् सत्यकाम मिश्रा ने कहा कि जो लोग ओडिशा में रेवेनशॉ के योगदान को जानते हैं, वे संस्थान का नाम बदलने के पक्ष में नहीं होंगे।

करोड़पति बनने का सपना संजोए पांच साल से कर रहा था तैयारी, बिग बी भी हुए इंप्रेस

बैंक खाते में थे 240 रुपए, आदिवासी युवक ने केबीसी में जीते 50 लाख

बैतूल। जिले की चिचोली तहसील का ग्राम असाड़ी इन दिनों टीवी गेम शो 'कौन बनेगा करोड़पति' (केबीसी) में 50 लाख रुपये जीतने वाले छात्र बंटी वाडिवा के कारण सुर्खियां बटोर रहा है। आदिवासी समाज के पहले युवा ने कौन बनेगा करोड़पति टीवी शो की हाट सीट पर पहुंचकर 50 लाख रुपए जीत लिए। उनकी इस उपलब्धि पर गांव ही नहीं, बल्कि पूरे जिले के लोग गौरव महसूस कर रहे हैं। बीसीए की पढ़ाई कर चुके 27 वर्षीय बंटी वाडिवा वर्ष 2019 से ही करोड़पति बनने का सपना संजोकर टीवी शो में जाने के लिए तैयारी कर रहे थे। उनकी किस्मत ने साथ दिया और मई 2024 में उनका पंजीयन हो गया। 26 मई को ऑडिशन देने के लिए उन्हें मुंबई बुलाया गया। इसके बाद साक्षात्कार की प्रक्रिया पूरी होने पर वे करोड़पति बनने के लिए शो में पहुंचने वाले जिले के पहले प्रतिभागी बन गए।

रिस्की मोड़ पर दिखाई अक्लमंदी

अपने बैंक खाते में मात्र 240 रुपये लेकर केबीसी में अभिनेता अमिताभ बच्चन के साथ हॉट सीट पर बैठकर बंटी वाडिवा ने 50 लाख रुपये के सवाल का सही जवाब देकर एक करोड़ रुपये जीतने की राह आसान कर ली थी। अंतिम सवाल का जवाब उन्हें या तो शो से बाहर हो जाने या फिर रिस्क लेने के मोड़ पर ले आया था। सवाल का सही जवाब पता न होने पर उन्होंने 50 लाख रुपये की जीत से ही संतोष किया और खेल से बाहर होने का निर्णय लिया। केबीसी की हॉट सीट तक पहुंचकर वह जिस तरह से खेले, उसके लिए अमिताभ बच्चन ने भी उनकी तारीफ की और 50 लाख रुपये की रकम जीतने पर बधाई दी। चार सितंबर को उनके आखिरी सवाल के शो का टीवी पर प्रसारण होगा।

संघर्ष खत्म करने के जुनून ने हॉट सीट पर पहुंचाया

केबीसी में 50 लाख रुपये जीतने वाले बंटी वाडिवा ने बताया कि आर्थिक तंगी के कारण जैसे-तैसे बैतूल में बीसीए की पढ़ाई पूरी की। एमसीए करने का सपना था, लेकिन भोपाल के निजी कालेज की फीस इतनी अधिक थी कि दो एकड़ खेत के भरोसे पांच लोगों के परिवार का भरण-पोषण करने वाले पिता उसे भरने में समर्थ नहीं हो पाए। वर्ष 2019 में अपने गांव असाड़ी लौटकर आने के बाद प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी प्रारंभ की और केबीसी की हॉट सीट पर पहुंचने का मन बनाया। मेरा सोचना था कि यदि इस जगह पर पहुंच गया तो एक करोड़ रुपये जीतकर संघर्ष को खत्म कर दूंगा।

अच्छे कॉलेज में करेंगे पढ़ाई

बंटी वाडिवा का कहना है कि उन्हें प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी पर इतना भरोसा था कि वह हॉट सीट पर बैठकर करोड़पति बनकर ही लौटेंगे। 50 लाख रुपये जीतने के बाद तो ऐसा लग रहा था कि अब मंजिल बहुत आसान हो जाएगी, लेकिन ऐसा हो नहीं पाया। बंटी वाडिवा ने बताया कि 50 लाख रुपये बहुत बड़ी राशि है। इससे वह अपनी आगे की पढ़ाई किसी अच्छे कॉलेज में कर सिविल सेवा की तैयारी करेंगे। इसके साथ ही पिता गुलबू वाडिवा एवं माता फुल्लोबाई के सिर पर पक्की छत के सपने को पूरा करेंगे। एक छोटे भाई और बहन की पढ़ाई एवं शादी की जिम्मेदारी भी अब वह पूरी कर पाएंगे।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती ज्योती मिश्रा द्वारा कॉम्पेक प्रिंटर्स प्रा. लि. फ्री प्रेस हाउस 3/54, प्रेस कॉम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 45ए गुप्ता चैम्बर पहली मंजिल जावरा कंपाउंड इंदौर, (म.प्र.) से प्रकाशित।
प्रधान सम्पादक : अशीष मिश्रा आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक : एमपी/एच/आइएन 2009/34385 फोन नं : 0731-4202569 फैक्स नं : 0731-4202569